दिव्य आकाश

कोरबा से प्रकाशित एवं मुद्रित प्रथम बहुरंगी साप्ताहिक अखबार

वर्ष - 16, संयुक्तांक - 6+7 | कोरबा, शुक्रवार, दिनांक 15 से 28 मई 2026 | पृष्ठ - 8, रू. 3:00

सुविचार

लरजते होंठों पर मुस्कान लाएं
यही असली मानव सेवा है,
यही मानवता है।

बोर्ड टॉपर संध्या नायक का सम्मान

रायगढ़।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी बुधवार को रायगढ़ में अघरिया समाज द्वारा आयोजित सम्मान समारोह एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल की हाई स्कूल (कक्षा 10वीं) बोर्ड परीक्षा में 99 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रदेश में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्रा संध्या नायक को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। वित्त मंत्री चौधरी ने संध्या नायक की इस उपलब्धि को समाज और प्रदेश के लिए गौरवपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि बेटियों की शिक्षा और उनकी सफलता नए छत्तीसगढ़ की मजबूत नींव है। संध्या नायक ने अपनी मेहनत, लगन और अनुशासन से यह सिद्ध किया है कि ग्रामीण अंचलों के विद्यार्थी भी बड़े लक्ष्य हासिल कर सकते हैं।

बांग्लादेश ने पाकिस्तान को लगातार दूसरी बार क्लीन स्वीप किया

सिलहट, एजेंसी।

पाकिस्तान को बांग्लादेश दौरे में 2-0 की हार झेलनी पड़ी। बांग्लादेश ने बुधवार को सिलहट टेस्ट में उसे 78 रन से हराया। पाकिस्तानी टीम बांग्लादेश के खिलाफ लगातार दूसरी सीरीज में क्लीन स्वीप हुई है। उसे 2024 में घर में क्लीन स्वीप का समना करना पड़ा था। मैच के आखिरी दिन 437 रन का टारगेट चेज कर रही पाकिस्तानी टीम दूसरी पारी में 358 रन पर ऑलआउट हो गई। उसने 316/7 से खेलना शुरू किया और पहले घंटे में 42 रन के भीतर आखिरी 3 विकेट गंवा दिए।मोहम्मद रिजवान 94 रन बनाकर आउट हुए। जबकि साजिद खान ने 28 रन बनाए। इन दोनों के आउट होने के बाद टीम ऑलआउट होने में टाइम नहीं लगा।

बीजिंग में पुतिन के साथ बैठक की, कहा- ईरान जंग को रोकना जरूरी

जिनपिंग बोले- दुनिया फिर जंगलराज की तरफ बढ़ रही

जिनपिंग ने मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध को लेकर चेतावनी दी है

बीजिंग, एजेंसी।

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध को लेकर चेतावनी दी है। रॉयटर्स के मुताबिक, बीजिंग में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन के साथ बैठक में उन्होंने कहा कि दुनिया फिर जंगलराज की तरफ बढ़ रही है। जिनपिंग ने चेतावनी दी कि अगर लड़ाई नहीं रुकी तो अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था और वैश्विक स्थिरता पर बड़ा असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि एकतरफा सैन्य कार्रवाई और लंबे समय तक चलने वाला युद्ध दुनिया को ऐसे दौर में ले जा सकता है, जहां अंतरराष्ट्रीय नियम कमजोर पड़ जाएंगे। उन्होंने कहा कि लड़ाई रोकना बेहद जरूरी है।

जिनपिंग ने यह बयान बुधवार को बीजिंग में पुतिन के औपचारिक स्वागत के बाद दिया। बीजिंग के ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल के बाहर दोनों नेता रेड कार्पेट पर साथ चले और सैन्य बैंड ने रूस और चीन के राष्ट्रगान बजाए।

पुतिन और जिनपिंग ने बीजिंग में मुलाकात के दौरान दुनिया में दबदबे की राजनीति खत्म करने की बात कही। दोनों नेताओं ने कहा कि रूस और चीन मिलकर ज्यादा न्यायपूर्ण और संतुलित वैश्विक व्यवस्था बनाने की दिशा में काम करेंगे।

बीजिंग में हुई उच्चस्तरीय बैठक में दोनों नेताओं ने वैश्विक राजनीति, मिडिल ईस्ट युद्ध, ऊर्जा सुरक्षा और BRICS जैसे मुद्दों पर चर्चा की। पुतिन ने कहा कि पिछले 25 वर्षों में रूस-चीन रिश्ते तेजी से मजबूत हुए हैं और दोनों देश लगातार साझा परियोजनाओं पर साथ काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि दोनों देशों की साझेदारी का मकसद दोनों देशों के लोगों की समृद्धि और स्थिरता सुनिश्चित करना है। वहीं शी जिनपिंग ने कहा कि चीन और रूस को मिलकर ज्यादा संतुलित और न्यायपूर्ण वैश्विक शासन व्यवस्था बनाने के लिए काम करना चाहिए।

रिपोर्ट के मुताबिक, यूक्रेन युद्ध के बाद यूरोप में रूस की गैस बिक्री लगभग बंद हो गई है। ऐसे में रूस के लिए चीन के साथ ऊर्जा सहयोग बेहद अहम हो गया है।

बैठक से पहले जारी वीडियो संदेश में पुतिन ने कहा कि रूस और चीन संप्रभुता और राष्ट्रीय एकता जैसे 'मुख्य हितों' की रक्षा के लिए साथ काम करेंगे। उन्होंने कहा कि मॉस्को और बीजिंग के बीच करीबी रणनीतिक संबंध वैश्विक स्थिरता में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

चीन-रूस के आर्थिक रिश्ते लगातार मजबूत हुए

अमेरिकी प्रभाव को लेकर साझा चिंता के चलते चीन और रूस ने पिछले कुछ सालों में अपने रिश्ते काफी मजबूत किए हैं। दोनों देशों के बीच रक्षा, विदेश नीति, कानून व्यवस्था और आर्थिक विकास जैसे मुद्दों पर लगातार उच्चस्तरीय बैठकें होती रही हैं। यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद चीन और रूस के बीच व्यापार तेजी से बढ़ा है। चीन ने रूस से तेल, कोयला और गैस की खरीद बढ़ाई है। वहीं, चीन रूस को कार, इलेक्ट्रॉनिक्स और दूसरी बड़ी वस्तुओं का निर्यात कर रहा है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, पिछले साल दोनों देशों के बीच व्यापार 228.1 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया था। रूस को इसमें 21.49 अरब डॉलर का ट्रेड सरप्लस मिला, जो 2024 के मुकाबले 55% ज्यादा है।

पुतिन बोले- रिश्ते अभूतपूर्व स्तर पर

चीन पहुंचने से पहले जारी वीडियो संदेश में पुतिन ने कहा कि रूस और चीन के रिश्ते अभूतपूर्व स्तर पर पहुंच चुके हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच भरोसा, आपसी समझ और बराबरी के सहयोग का रिश्ता है। पुतिन ने कहा कि दोनों देश संप्रभुता और राष्ट्रीय एकता जैसे मुद्दों पर एक-दूसरे का समर्थन करते हैं। उनके मुताबिक, रूस और चीन राजनीति, अर्थव्यवस्था और ऊर्जा समेत कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ा रहे हैं।

अमेरिका-रूस के बीच संतुलन बना रहा चीन

ट्रम्प के बाद अब पुतिन के दौरे को लेकर जानकारों का कहना है कि लगातार हो रहे ये बड़े दौरे दिखाते हैं कि चीन एकसाथ अमेरिका और रूस दोनों के साथ रिश्ते संतुलित रखने की कोशिश कर रहा है, खासकर ऐसे समय में जब यूक्रेन और ईरान से जुड़े मुद्दों पर वैश्विक तनाव बना हुआ है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि चीन के पास यह मौका है कि वह एकसाथ अमेरिका और रूस दोनों के साथ बातचीत करके अपनी वैश्विक भूमिका को मजबूत दिखाए।

मोदी ने मेलोनी को मेलोडी टॉफी गिफ्ट की:इसका वीडियो इंस्टाग्राम पर 100 मिलियन व्यूज के पार

रोम, एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी को मेलोडी टॉफी गिफ्ट की। पीएम मेलोनी ने एक्स पर इस वीडियो को पोस्ट कर कहा- प्रधानमंत्री मोदी मेरे लिए गिफ्ट में बहुत-बहुत अच्छी टॉफी लेकर आए- मेलोडी। गिफ्ट के लिए थैंक्यू। इस वीडियो को इंस्टाग्राम पर 10 मिलियन (100 करोड़) से ज्यादा बार देखा गया। वहीं एक्स पर भी इसे 74 लाख से ज्यादा व्यू मिले।

पीएम मोदी अपने पांच देशों के दौरे के आखिरी चरण में मंगलवार को इटली पहुंचे। वहां पीएम मेलोनी ने उनका स्वागत किया। दोनों रोम की सड़कों पर एक ही कार में घूमे और करीब 2000 साल पुराने ऐतिहासिक कोलोजियम का दौरा भी किया।

मोदी ने मेलोनी को मेलोडी टॉफी ही क्यों दी

मोदी ने मेलोनी को 'मेलोडी' टॉफी इसलिए गिफ्ट की थी क्योंकि सोशल मीडिया पर दोनों नेताओं के नामों को

जोड़कर मेलोडी (Modi + Meloni=Melodi) शब्द काफी वायरल हो गया था। असल में मेलोनी और मोदी के नामों को जोड़कर लोगों ने मजाकिया और दोस्ताना अंदाज में मेलोडी कहना शुरू कर दिया था।

जी20 और दूसरे अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों में दोनों नेताओं की तस्वीरें और वीडियो वायरल होने के बाद यह शब्द इंटरनेट मीम और ट्रेंड बन गया। इसी को हल्के-फुल्के अंदाज में लेते हुए मोदी ने मेलोनी को भारत की मशहूर टॉफी गिफ्ट की।

मोदी ने मेलोनी को भारत आने का न्योता दिया

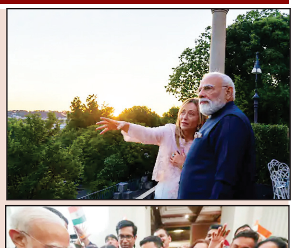

पीएम मोदी ने बुधवार को इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी के साथ जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने कहा कि मैं पीएम मेलोनी का धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने मेरा और मेरे प्रतिनिधिमंडल को स्वागत किया। उन्होंने जॉर्जिया मेलोनी को भारत आने का न्योता दिया। मोदी ने कहा कि रोम को दुनिया में 'इटरनल सिटी' कहा जाता है। भारत में मेरी लोकसभा सीट काशी को भी इसी तरह जाना जाता है। जब दो सभ्यताएं मिलती हैं, तो बातचीत सिर्फ एजेंडे तक सीमित नहीं रहती। उसमें इतिहास की गहराई, भविष्य की झलक और दोस्ती की सादगी दिखाई देती है।' वहीं मेलोनी ने कहा कि इटली और भारत पहले से कहीं ज्यादा करीब हैं। हमारे रिश्ते अब अपनी पूरी क्षमता दिखाने की स्थिति में पहुंच चुके हैं। पिछले साढ़े तीन सालों में मेरी पीएम मोदी के साथ 7 मुलाकातें हुई हैं। उन्होंने कहा कि इन बैठकों के दौरान हमने एक-दूसरे के नजरिए को गहराई से समझा है। हमने सम्मान और आपसी भरोसे से एक ईमानदार दोस्ती बनाई है।

फ्यूल बचाने की कवायद

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से होगी सुनवाई

समर वेकेशन में कोर्ट नहीं जाएंगे जज, वकील-पक्षकार भी वर्चुअली जुड़ेंगे

बिलासपुर, एजेंसी।

सुप्रीम कोर्ट के हालिया निर्देशों के बाद छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने भी ईंधन और संसाधनों की बचत के लिए अपने कामकाज में बदलाव किए हैं। हाईकोर्ट में समर वेकेशन के दौरान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से होगी सुनवाई होगी। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा के निर्देश पर सर्कुलर जारी किया गया है। इस आदेश के बाद भीषण गर्मी में वकीलों और पक्षकारों को कोर्ट आने की जरूरत नहीं पड़ेगी। हालांकि, जो वकील किसी कारणवश वर्चुअली नहीं जुड़ पाएंगे, उन्हें व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में उपस्थित होने की अनुमति रहेगी। जरूरत पड़ने पर कोर्ट खुद भी फिजिकल सुनवाई के निर्देश दे सकेगा।

कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम

हाईकोर्ट और जिला अदालतों के कर्मचारियों को सप्ताह में 2 दिन वर्क फ्रॉम होम की सुविधा दी जा सकती है। हालांकि, रोटेशन व्यवस्था के तहत यह सुनिश्चित किया जाएगा कि कम से कम 50 प्रतिशत कर्मचारी कार्यालय में उपस्थित रहें, ताकि न्यायिक और प्रशासनिक कार्य प्रभावित न हों। घर से काम करने वाले कर्मचारियों को फोन और अन्य सरकारी संचार माध्यमों पर हर समय उपलब्ध रहना अनिवार्य होगा।

फ्यूल बचाने के लिए जज-अधिकारी करेंगे कार पूलिंग

फ्यूल की बचत और सरकारी संसाधनों के बेहतर उपयोग के लिए हाईकोर्ट ने नई पहल की है। इसके तहत राज्य के न्यायिक अधिकारियों, रजिस्ट्री अफसरों और मंत्रालयीन कर्मचारियों के लिए व्हीकल पूलिंग यानी साझा वाहन व्यवस्था लागू करने का प्रस्ताव रखा गया है।

इतना ही नहीं, हाईकोर्ट के जजों से भी आपस में कार-पूलिंग करने का आग्रह किया गया है।

बवाल

राहुल बोले-आरएसएस के लोगों से कहें कि प्रधानमंत्री, गृहमंत्री गद्दार

अमेठी में कहा- देश में बिजनेस बंद हो रहे, मोदी मेलोनी को टॉफी खिला रहे

अमेठी, एजेंसी।

राहुल गांधी ने रायबरेली में बुधवार को कहा कि जब आरएसएस के कार्यकर्ता आपके सामने आएंगे तो उनसे खुलकर कहिएगा कि आपका प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और संगठन गद्दार है। आपने हिंदुस्तान को बेचने का काम किया है। कांग्रेस सांसद ने कहा, अब आर्थिक तूफान आ रहा है। मोदी आपको बचा नहीं पाएंगे। याद रखना, जैसे कोविड और नोटबंदी के समय रोए थे, कहा था- मुझे फांसी पर लटका देना। वैसे ही टीवी पर फिर आएंगे। हाथ जोड़ेंगे। रोएंगे। कहेंगे- मेरी गलती नहीं है।

इसके बाद राहुल अमेठी पहुंचे। यहां उन्होंने कार्यकर्ता सम्मेलन में कहा- इटली की पीएम मेलोनी को नरेंद्र मोदी टॉफी खिला रहे हैं।

अमेरिकी संसद में ईरान जंग रोकने वाला प्रस्ताव पास

ट्रम्प के 4 सांसदों ने उनके खिलाफ वोटिंग की, राष्ट्रपति के पास वीटो का अधिकार बाकी

वॉशिंगटन, एजेंसी।

अमेरिकी संसद में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की सैन्य शक्तियों को सीमित करने वाला प्रस्ताव पास हो गया है। वोटिंग में 4 रिपब्लिकन सांसदों ने भी विपक्षी पार्टी डेमोक्रेट्स का साथ दिया। हालांकि 3 रिपब्लिकन सांसद वोटिंग में शामिल नहीं हुए।

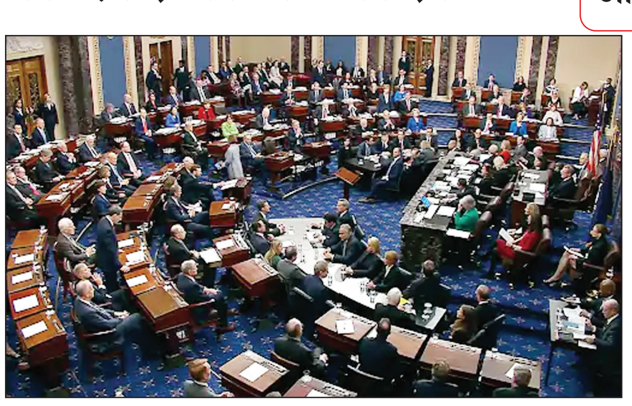

यह प्रस्ताव 50-47 से पास हुआ, हालांकि इसे कानून बनने के लिए अभी कुछ और चरणों से गुजरना होगा। अगर यह प्रस्ताव कानून बनता है, तो ट्रम्प सरकार को ईरान के खिलाफ युद्ध जारी रखने के लिए कांग्रेस की मंजूरी लेनी होगी।

अभी सीनेट में इस पर अंतिम वोटिंग होनी बाकी है। इसके बाद इसे रिपब्लिकन बहुमत वाली हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स से मंजूरी लेनी होगी। हालांकि उसके बाद भी ट्रम्प इसके खिलाफ वीटो कर सकते हैं। फिर उस वीटो को रद्द करने के लिए सीनेट और हाउस दोनों में दो-तिहाई बहुमत चाहिए होगा, जो फिलहाल मुश्किल माना जा रहा है।

विपक्ष बोला- युद्ध शुरू करने का अधिकार संसद के पास हो

यह वोट विपक्ष के लिए बड़ी जीत माना जा रहा है जो कह रहे थे कि अमेरिका में युद्ध शुरू करने या सेना भेजने का अधिकार राष्ट्रपति नहीं बल्कि संसद के पास होना चाहिए। अमेरिकी संविधान में भी यही व्यवस्था दी गई है।

इस प्रस्ताव को वर्जीनिया के डेमोक्रेट सीनेटर टिम केन लेकर आए हैं। बहस के दौरान उन्होंने कहा कि अभी जब युद्धविराम की बात हो रही है, तब ट्रम्प को संसद के सामने आकर अपनी रणनीति बतानी चाहिए।

डेमोक्रेट सीनेटर टिम केन ने कहा कि युद्ध शुरू करने का अधिकार संसद के पास है, सिर्फ राष्ट्रपति के पास नहीं। वहीं व्हाइट हाउस का कहना है कि ट्रम्प ने अमेरिकी सुरक्षा के लिए अपने अधिकारों के तहत कार्रवाई की है।

अमेरिकी कानून के मुताबिक कोई भी राष्ट्रपति बिना संसद की मंजूरी के सिर्फ 60 दिन तक सैन्य कार्रवाई चला सकता है। इसके बाद या तो युद्ध खत्म करना होता है, कांग्रेस से अनुमति लेनी होती है, या फिर सेना की सुरक्षित वापसी के लिए 30 दिन की अतिरिक्त मोहलत मांगनी होती है।

पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स...

ट्रम्प ने ईरान पर बड़ा हमला टाला : ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका ईरान पर बड़ा हमला करने वाला था, लेकिन फिलहाल उसे रोक दिया गया है। उन्होंने कहा कि कतर, सऊदी अरब और UAE ने बातचीत को मौका देने के लिए हमला टालने की अपील की थी।

ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट पर नया कंट्रोल सिस्टम बनाया: ईरान ने पर्शियन गल्फ स्ट्रेट अथॉरिटी (PGSA) बनाकर होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों के लिए अनुमति अनिवार्य कर दी। ईरान ने कहा कि बिना परमिशन गुजरना अवैध माना जाएगा।

ईरान बोला- यूरेनियम संवर्धन पर समझौता नहीं करेंगे: ईरान ने साफ कहा कि यूरेनियम संवर्धन उसका अधिकार है और वह किसी दबाव में नहीं आएगा। राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने भी कहा कि बातचीत होगी, लेकिन ईरान झुकेगा नहीं।

ईरान ने ट्रम्प-नेतन्याहू पर रू.500 करोड़ इनाम वाला बिल तैयार किया: ईरानी संसद में ऐसा बिल लाने की तैयारी है, जिसमें ट्रम्प और नेतन्याहू की हत्या करने वालों को रू.500 करोड़ से ज्यादा इनाम देने का प्रस्ताव है।

अमेरिकी नाकेबंदी से ईरानी तेल फंसा: फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी नाकेबंदी के कारण ईरान को समुद्र में खड़े पुराने टैंकरों में तेल स्टोर करना पड़ रहा है। फारस की खाड़ी में ईरानी तेल से भरे टैंकरों की संख्या तेजी से बढ़ी है।

राज्यपाल ने पर्यटन स्थलों का विकास एवं सुविधाएं बढ़ाने के दिए निर्देश

रायपुर।

राज्यपाल रमेन डेका से आज लोकभवन में छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के मैनेजिंग डायरेक्टर विवेक आचार्य ने सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान राज्य में पर्यटन स्थलों के विकास, विस्तार और पर्यटकों के लिए सुविधाओं को बेहतर बनाने को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। राज्यपाल ने पर्यटन क्षेत्र को अधिक आकर्षक और सुविधाजनक बनाने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव और आवश्यक निर्देश दिए।

राज्यपाल श्री डेका ने बस्तर के चित्रकूट जलप्रपात, धमतरी जिले के गंगरेल तथा कोरबा जिले के बूका जलाशय में पर्यटन सुविधाओं का विस्तार करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि इन स्थलों पर पर्यटकों के लिए बेहतर बुनियादी सुविधाएं विकसित की जाएं, ताकि अधिक से अधिक लोग यहां आने के लिए आकर्षित हों। राज्यपाल ने पर्यटन स्थलों को वरिष्ठ नागरिकों के लिए भी अधिक सुविधाजनक बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पर्यटन स्थलों के

विकास में बुजुर्ग पर्यटकों के लिए आवागमन और अन्य आवश्यक सुविधाओं का ध्यान रखा जाए।

बूका में शुरू होगी क्रूज सेवा

राज्यपाल ने कोरबा जिले के बूका जलाशय में क्रूज सेवा शुरू करने का सुझाव भी दिया। उन्होंने कहा कि इससे पर्यटन को नई पहचान मिलेगी और पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होने के साथ स्थानीय पर्यटन गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।

पीएम मोदी विदेश में बढ़ा रहे भारत का मान...

नई दिल्ली। शरद पवार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विदेश दौरों को लेकर विपक्ष की आलोचना के बीच बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक मतभेद अपनी जगह हैं, लेकिन देश के सम्मान और राष्ट्रीय हित से ऊपर कोई राजनीति नहीं होनी चाहिए। शरद पवार का यह बयान ऐसे समय आया है जब कांग्रेस समेत विपक्षी दल पीएम मोदी के विदेश दौरों पर सवाल उठा रहे हैं। शरद पवार ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी विदेशों में भारत की प्रतिष्ठा बढ़ाने का काम कर रहे हैं।

चांदी 10 हजार रुपए सस्ती

मुंबई, एजेंसी। लगातार सोने-चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव देखने को मिल रह है। इसी के साथ बुधवार को चांदी के रेटों में गिरावट और सोने में बढ़ोतरी हुई है। बता दें कि चांदी 10 हजार रुपए प्रति किलो सस्ती हुई, जबकि सोने 2100 रुपए प्रति 10 ग्राम की तेजी दर्ज की गई।

|| श्री गणेशम्बिकाभ्याम नमः || श्री धनवन्तरयै नमः ||
आयुर्वेदिक चिकित्सा परामर्श केन्द्र
गाठिया, जोड़ों का दर्द, साईटिका, श्वास, दमा, खांसी पुराना नजला, गैस, खाज, खुजली, शुगर, बवासीर, पथरी, लिकोरियो आदि।
सीएसईबी चौक | स्टेडियम रोड | ट्रांसपोर्ट नगर चौक | मुड़ापार रोड
पतंजलि | श्रीश्री AYURVEDA | बैद्यनाथ | Dabur | SNA | ZANDU
सभी कंपनियों के आयुर्वेदिक दवाईयों के थोक एवं चिल्हर विक्रेता
Anti Aging – Anti Wrinkles – Clear Skin Tone – Fairness – Glowing Youthful Skin – Dark Spots Lightening – Keeping your skin healthy & young
Avocado Cream | total skin care in just 7 days
Dr. Yugesh Sharma
M.D. (N.M.) Regn. 51049/16
शराब छुड़ाने की हर्बल दवा
एक कदम आयुर्वेद की ओर ... स्वस्थ रहो अभियान...
शिव हर्बल मेडिकल स्टोर
शॉप नं. 07 अल्का काम्प्लेक्स, टी.पी. नगर, कोरबा (छ.ग.) मो.: 9302358945

उपचुनाव

दीपका में भाजपा का दमदार शक्ति प्रदर्शन, ऋषिकांत सिदार के नामांकन में उमड़ी भीड़

कोरबा/दीपका (दिव्य आकाश)।

कटघोरा विधानसभा अंतर्गत दीपका नगर पालिका वार्ड क्रमांक 15 के उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी ऋषिकांत सिदार के नामांकन रैली में भारतीय जनता पार्टी ने जोरदार शक्ति प्रदर्शन किया। नामांकन रैली में कार्यकर्ताओं, समर्थकों एवं स्थानीय नागरिकों की भारी भीड़ उमड़ी, जिससे पूरे दीपका क्षेत्र में भाजपा का उत्साह और जनसमर्थन साफ दिखाई दिया। कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ नेताओं एवं पदाधिकारियों की उपस्थिति ने चुनावी माहौल को और भी ऊर्जावान बना दिया। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष गोपाल मोदी, कटघोरा विधायक प्रेमचंद पटेल, रायपुर संभाग सह प्रभारी डॉ. राजीव सिंह, वरिष्ठ भाजपा नेता ज्योतिनंद दुबे, नगर पालिका दीपका अध्यक्ष राजेंद्र राजपूत, पूर्व जिलाध्यक्ष मनोज शर्मा एवं मंडल अध्यक्ष राजू प्रजापति सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नामांकन कार्यक्रम के दौरान भाजपाइयों ने कहा कि दीपका क्षेत्र में जनता का भाजपा के प्रति अटूट विश्वास लगातार मजबूत हो रहा है। कार्यकर्ताओं का समर्पण, संगठन की मजबूती एवं विकास के प्रति भाजपा की प्रतिबद्धता ही पार्टी की सबसे बड़ी ताकत है।

वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने विश्वास जताया कि जनता विकास, सुशासन और राष्ट्रहित की राजनीति को समर्थन देते हुए भाजपा प्रत्याशी ऋषिकांत सिदार को ऐतिहासिक विजय दिलाएगी। पूरे कार्यक्रम के दौरान भाजपा समर्थकों में भारी उत्साह देखने को मिला तथा 'भारतीय जनता पार्टी जिंदाबाद' के नारों से माहौल गूंज उठा।

महंगाई से त्रस्त जनता की आवाज बनी कांग्रेस, बालकोनगर में धरना-प्रदर्शन

कोरबा/बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

बालकोनगर के परसाभाठा बाजार चौक पर पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल के नेतृत्व में कांग्रेसजनों ने केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों एवं लगातार बढ़ती महंगाई के खिलाफ जोरदार धरना-प्रदर्शन एवं जनजागरण अभियान चलाया। इस दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं आम नागरिक उपस्थित रहे। प्रदर्शनकारियों ने हाथों में बैनर एवं तख्तियां लेकर 'केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों के विरुद्ध धरना-प्रदर्शन एवं जनजागरण' के नारे लगाए।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस, खाद्य सामग्री, दैनिक उपयोग की वस्तुओं सहित सोना-चांदी के दामों में लगातार हो रही वृद्धि से आम जनता, मध्यम वर्ग एवं गरीब परिवारों का जीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि ईरान-इजराइल युद्ध शुरू होने के बाद से ही वैश्विक स्तर पर ईंधन संकट की आशंका स्पष्ट थी, लेकिन केंद्र की भाजपा सरकार देशहित में कोई ठोस रणनीति बनाने में विफल रही, जिसका खामियाजा आज देश की जनता भुगत रही है।

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने 'महंगाई' की प्रतीकात्मक शवयात्रा निकालकर परसाभाठा चौक में विरोध दर्ज कराया। नेताओं ने कहा कि केंद्र सरकार की गलत आर्थिक नीतियों के कारण आम आदमी की कमर टूट चुकी है तथा गरीब और निम्न आय वर्ग के परिवारों के लिए दो वक्त की रोटी जुटाना भी कठिन होता जा रहा है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने कहा कि छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार 17 मई से 20 मई 2026 तक पूरे प्रदेश में महंगाई के खिलाफ जनजागरण अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में कोरबा जिले के विभिन्न क्षेत्रों में कांग्रेस कार्यकर्ता लगातार जनता के बीच पहुंचकर केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ आवाज बुलंद कर रहे हैं।

धरना-प्रदर्शन में जयसिंह अग्रवाल के साथ कोरबा जिला कांग्रेस अध्यक्ष (शहर) मुकेश कुमार राठौर, जिला कांग्रेस अध्यक्ष (ग्रामीण) मनोज चौहान, पूर्व महापौर राजकिशोर प्रसाद, पूर्व जिलाध्यक्ष नत्थूलाल यादव, युवा कांग्रेस अध्यक्ष राकेश पंकज, बालको नगर ब्लाक अध्यक्ष ए.डी.जोशी, राजेंद्र तिवारी, पालुराम साहू, बसंत चंद्रा, पूर्व ब्लाक अध्यक्ष दुष्यंत शर्मा, पार्षद कृपाराम साहू, बद्रीकिरण, नारायण लाल कुर्रे, रवि सिंह चंदेल, मंडल अध्यक्ष, देवीदयाल सोनी, रोपा तिर्की, बुधेश्वर चौहान, पंचराम आदित्य, महेंद्र थवाईत, मुन्ना खान, श्रीकांत मांझी, पुष्पा पात्रे, मुश्लिम खान, शमसुद्दीन, देवकीनंदन सिंह, कन्हैया राठोर, कुंजबिहारी साहू, आर.के.नामदेव, गणेश खूंटे, दीपक कुमार टंडन, प्रमोद दिगसकर, माजिद कुरैशी, साहिदा खान, गायत्री चंद्रा, शायद खान, गायत्री कर्ष, राजेश श्रीवास, आकाश प्रजापति, विवेक श्रीवास, प्रह्लाद बंजारे, मिनिकेतन गवेल, बाबिल मिरी, अजीत वर्मन, कारन पटेल, साहिल खान, हरवेन्द्र सिंह सहित कांग्रेस के अनेक वरिष्ठ नेता, जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में कांग्रेसजनों ने केंद्र सरकार से पेट्रोल-डीजल एवं रसोई गैस की कीमतों में तत्काल राहत देने तथा आम जनता को महंगाई से राहत पहुंचाने की मांग की।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, कोरबा मुख्य शाखा में SBI Wealth Hub का वर्चुअल उद्घाटन

कोरबा (दिव्य आकाश)।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के अध्यक्ष चल्ला श्रीनिवासुलु सेट्टी द्वारा कोरबा मुख्य शाखा स्थित SBI Wealth Hub का वर्चुअल उद्घाटन किया गया। यह कार्यक्रम गरिमामयी वातावरण में सम्पन्न हुआ।

इस अवसर पर आलोक रंजन, उप महाप्रबंधक (B&O), प्रशासनिक कार्यालय बिलासपुर की विशेष भौतिक उपस्थिति रही। कार्यक्रम में आदर्श श्रीवास्तव, क्षेत्रीय प्रबंधक, आरबीओ कोरबा भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में मृत्युंजय वर्मा, मुख्य प्रबंधक, D-VAS, आकाश शर्मा, मुख्य प्रबंधक, मुख्य शाखा कोरबा, निलेश कुशवाहा, मुख्य प्रबंधक (क्रेडिट), कुनाल सिंह सेंगर, रिलेशनशिप मैनेजर - वेल्थ तथा नवनीत सोनी, डेस्क ऑफिसर, D-VAS सहित बैंक के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर अधिकारियों ने कहा कि SBI Wealth Hub के माध्यम से ग्राहकों को आधुनिक, व्यक्तिगत एवं उत्कृष्ट बैंकिंग एवं निवेश सेवाएँ प्रदान की जाएंगी। यह पहल प्रीमियम बैंकिंग सेवाओं को अधिक प्रभावी एवं ग्राहकोन्मुख बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने SBI Wealth Hub की सफलता हेतु शुभकामनाएँ व्यक्त कीं तथा ग्राहकों को बेहतर सेवाएँ उपलब्ध कराने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

26 मई को कटघोरा एसडीएम कार्यालय का घेराव

कोरबा (दिव्य आकाश)। एसईसीएल के बल्गी सुराकछार खदान के भूधसान से प्रभावित किसानों को विगत तीन वर्षों का फसल क्षतिपूर्ति मुआवजा देने की मांग को लेकर प्रभावित किसानों के साथ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी और छत्तीसगढ़ किसान सभा ने बैठक करने के बाद माकपा प्रतिनिधि मंडल ने कटघोरा एसडीएम कार्यालय का 26 मई को घेराव का नोटिस कटघोरा एसडीएम सहित जिले के प्रशासनिक अधिकारियों को थमा दिया है। माकपा जिला सचिव प्रशांत झा और छत्तीसगढ़ किसान सभा के जिला सचिव दीपक साहू ने बताया कि बलगी कोयला खदान की डि-पिल्लरिंग के कारण सुराकछार बस्ती के किसानों की सैकड़ों हेक्टेयर कृषि योग्य भूमि भू-धसान के कारण पूरी तरह से बर्बाद हो गई है। भूमि में दरारें इतनी गहरी है कि वह पूरी तरह तालाब, झील और खाई में तब्दील हो चुकी है। अब इस जमीन में किसान कोई भी कृषि कार्य नहीं कर पा रहे हैं।

एनसीसी कैंप में 452 कैडेट्स को फायर सेफ्टी प्रशिक्षण:कोरबा में आग से बचाव और काबू पाने के तरीके सिखाए गए

कोरबा (दिव्य आकाश)।

कोरबा के बुधवारी स्थित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में बुधवार को एनसीसी कैंप के दौरान फायर सेफ्टी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें छत्तीसगढ़ के अलग-अलग जिलों से आए 452 महिला और पुरुष कैडेट्स के साथ 12 अधिकारियों और अनुदेशकों ने हिस्सा लिया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कैडेट्स को आग लगने की स्थिति में सही तरीके से बचाव करना सिखाना था। विशेषज्ञों ने बताया कि छोटी लापरवाही भी बड़ी आग का कारण बन सकती है। इसलिए समय पर सही कदम उठाना बहुत जरूरी है।

प्रशिक्षण के दौरान लिक्विड, फॉग मशीन और पानी की मदद से आग बुझाने का लाइव डेमो दिया गया। कैडेट्स को बताया गया कि अलग-अलग तरह की आग में अलग उपकरणों का इस्तेमाल किया जाता है। अधिकारियों ने बताया कि गर्मी बढ़ने के साथ आग लगने की घटनाएं भी बढ़ रही हैं। ऐसे समय में यह प्रशिक्षण काफी जरूरी है। इससे कैडेट्स अपनी सुरक्षा के साथ दूसरे लोगों को भी जागरूक कर सकेंगे।

विशेषज्ञों ने कहा कि घर, स्कूल, दफ्तर और सार्वजनिक जगहों पर फायर एक्सटिंग्विशर, सैंड बकेट और स्मोक अलार्म जैसे उपकरण जरूर होने चाहिए। साथ ही लोगों को इनके सही इस्तेमाल की जानकारी भी होनी चाहिए।करीब तीन घंटे तक चले इस प्रशिक्षण में कैडेट्स ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया। उन्होंने खुद आग बुझाने वाले उपकरणों का इस्तेमाल कर प्रैक्टिकल अनुभव भी लिया।

घबराने के बजाय समझदारी जरूरी

अनुदेशकों ने बताया कि आग लगने पर घबराने की बजाय समझदारी से काम लेना चाहिए। बिजली, गैस और तेल से लगी आग को बुझाने के लिए अलग-अलग तरीके अपनाए जाते हैं। कैंप अधिकारियों ने कहा कि एनसीसी का उद्देश्य युवाओं को अनुशासन के साथ आपदा प्रबंधन के लिए भी तैयार करना है। फायर सेफ्टी की जानकारी हर नागरिक के लिए जरूरी है।

भू-विस्थापितों ने कटघोरा एसडीएम कार्यालय का घेराव किया:16 से अधिक गांव प्रभावित, भूमिहीनों को आवास न मिलने पर भड़के ग्रामीण, भ्रष्टाचार के आरोप लगाए

कोरबा (दिव्य आकाश)।

कोरबा में एसईसीएल कुसमुंडा क्षेत्र के भूविस्थापित ग्रामीणों ने बुधवार को कटघोरा एसडीएम कार्यालय का घेराव किया। 16 से अधिक गांवों के प्रभावित ग्रामीण भ्रष्टाचार और लंबित कार्यों को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे।

ग्रामीणों का आरोप है कि तहसील कार्यालयों में रोजगार, मुआवजा, पुनर्वास, वंश वृक्ष, फौती, ऑनलाइन रिकॉर्ड सुधार और राजस्व त्रुटि सुधार जैसे काम महीनों से अटके हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि दीपका, दर्री, कटघोरा तहसील और जिला

पुनर्वास शाखा में काम कराने के लिए रिश्वत मांगी जाती है। रिश्वत नहीं देने पर उनके मामलों को लंबे समय तक लटका दिया जाता है।

एसईसीएल ने जटराज, पड़निया, सोनपुरी, पाली, रिसदी, खोडरी, चुरैल, आमगांव, खैरभावना, गेवरा, जरहाजेल, बरपाली, दुरपा,

भैसमाखार, मनगांव, बरमपुर, दुल्लापुर, बरकुटा सहित 16 से अधिक गांवों की भूमि अधिग्रहित की है।

शिकायत के बाद भी नहीं हुई कार्रवाई

ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने पहले भी कई बार शिकायत की थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसी कारण उन्हें मजबूरी में घेराव करना पड़ा।

ग्रामीणों ने बताया कि एसईसीएल अधिग्रहित गांवों में सरकारी या निजी जमीन पर घर बनाकर रहने वाले भूमिहीन परिवारों को बसाहट का अधिकार नहीं दे रहा है।

उनका कहना है कि प्रधानमंत्री आवास योजना का उद्देश्य भूमिहीन लोगों को घर देना है, लेकिन एसईसीएल की इस नीति के कारण कई परिवार बेघर होने की स्थिति में आ रहे हैं।

16 गांवों के भूविस्थापितों का प्रदर्शन

एसईसीएल द्वारा खोडरी, रिसदी और पड़निया में लगाए गए राजस्व शिविरों में सिर्फ आवेदन लिए गए और आगे की कार्रवाई के लिए उन्हें तहसील दीपका भेज दिया गया। ग्रामीण चाहते हैं कि उनकी समस्याओं का समाधान वहीं मौके पर ही किया जाए, ताकि भ्रष्टाचार से बचा जा सके।

इसके अलावा, ग्रामीणों ने एसईसीएल के ड्रोन सर्वे पर भी आपत्ति जताई है। उनका कहना है कि बिना उनकी सहमति के संपत्ति का मूल्यांकन किया जा रहा है और इससे मुआवजे की राशि कम कर दी जा रही है।

जटराज गांव में 2010 के अधिग्रहण पर विवाद

जटराज गांव में 2010 में भूमि अधिग्रहण के बाद ग्रामीणों का कहना है कि कुछ लोगों को 'मसाहती' मान लिया गया है, जबकि बाकी लोगों को नहीं माना जा रहा है। इससे लोगों में नाराजगी बढ़ गई है। प्रदर्शन कर रहे ग्रामीण हाथों में तख्तियां लेकर धरने पर बैठ गए और कहा कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होंगी, आंदोलन जारी रहेगा। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया और अधिकारियों ने ग्रामीणों को समझाने की कोशिश की।

दिव्य आकाश

सफलता के 16 वर्ष पूर्ण 16th दिव्य आकाश

असतो मा सद्गमय

कोरबा से प्रकाशित एवं मुद्रित प्रथम बहुरंगी साप्ताहिक अखबार

सुविचार
जीवन को टुकड़ों में नहीं बांटा जा सकता, उसका पूर्णता में ही विचार किया जाना चाहिए।
- अटल बिहारी वाजपेयी

कोरबा, शुक्रवार, दिनांक 15 से 28 मई 2026

ऑनलाइन दवा बिक्री के खिलाफ 18 हजार मेडिकल स्टोर बंद

रायपुर, एजेंसी।

ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में बुधवार को देशभर में केमिस्ट संगठन हड़ताल पर हैं। छत्तीसगढ़ में करीब 18 हजार मेडिकल स्टोर बंद हैं, जिनमें थोक और रिटेल दोनों दुकानें शामिल हैं। रायपुर, बिलासपुर में सुबह से मेडिकल स्टोर नहीं खुले हैं। हालांकि, रायपुर में धन्वंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर की ब्रांच में लोग दवाई लेने पहुंच रहे थे।

सरगुजा में भी ऑनलाइन फॉर्मेसी के खिलाफ केमिस्ट संघ ने बाइक रैली निकाली, अपोलो फार्मेसी के सामने प्रदर्शन और नारेबाजी कर दुकान बंद कराई। बस्तर जिले में 300 और जगदलपुर शहर में करीब 120 मेडिकल दुकानें बंद हैं। हालांकि, मरीजों की सुविधा के लिए संचालकों ने ऑनलाइन नंबर जारी किए हैं।

रायगढ़ में भी करीब 760 मेडिकल दुकानें बंद रहीं, दवा विक्रेताओं ने रामनिवास टॉकीज चौक पर प्रदर्शन किया और मरीजों की सुविधा के लिए इमरजेंसी नंबर जारी किए। सूरजपुर जिले में भी मेडिकल दुकानें बंद रही।

संगठनों का कहना है कि ऑनलाइन कंपनियों की भारी छूट से छोटे मेडिकल स्टोर्स का कारोबार प्रभावित हो रहा है। दवा व्यापारियों के इस आंदोलन को CAIT, चेंबर ऑफ कॉमर्स और कांग्रेस के चिकित्सा प्रकोष्ठ ने समर्थन दिया है।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि लोकतंत्र में सभी को अपनी बात रखने का अधिकार है। हड़ताल से मरीजों को कोई परेशानी नहीं होगी और स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह अलर्ट मोड पर है।

अमर बोले- स्थानीय बाजार व्यवस्था के संरक्षण का विषय

CAIT के राष्ट्रीय वाइस चेयरमैन अमर पारवानी ने कहा कि यह सिर्फ दवा कारोबार का मुद्दा नहीं, बल्कि छोटे व्यापारियों और स्थानीय बाजार को बचाने का मामला है।

डिस्ट्रिक्ट केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष विनय कृपलानी ने कहा कि ऑनलाइन दवा बिक्री और भारी छूट की वजह से स्थानीय मेडिकल स्टोर्स का कारोबार प्रभावित हो रहा है। इससे छोटे व्यापारियों पर संकट बढ़ रहा है।

स्थानीय व्यापारियों के हितों पर ध्यान दे सरकार

छत्तीसगढ़ कांग्रेस के चिकित्सा प्रकोष्ठ ने भी दवा व्यापारियों की हड़ताल का समर्थन किया है। प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डॉ. राकेश गुप्ता ने कहा कि बड़ी ऑनलाइन और विदेशी कंपनियां भारी छूट देकर स्थानीय दवा कारोबार को नुकसान पहुंचा रही हैं।

उन्होंने कहा कि यह लड़ाई सिर्फ दवा व्यापारियों की नहीं, बल्कि छोटे कारोबारियों की भी है। कांग्रेस ने सरकार से मांग की है कि स्थानीय व्यापारियों और जनस्वास्थ्य को ध्यान में रखकर फैसले लिए जाएं।

मरीजों को परेशानी ना हो इसके लिए व्यवस्था

देशभर में चल रही हड़ताल को देखते हुए छत्तीसगढ़ खाद्य एवं औषधि प्रशासन अलर्ट हो गया है। मरीजों को दवाओं की कमी न हो, इसके लिए राज्यभर में जरूरी दवाएं और मेडिकल सामान उपलब्ध रखने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रशासन ने कहा है कि सरकारी जनऔषधि केंद्रों, धन्वंतरी मेडिकल स्टोर्स, सरकारी अस्पतालों, नर्सिंग होम और अन्य मेडिकल स्टोर्स के जरिए लोगों को जरूरी दवाएं उपलब्ध कराई जा रही है।

केमिस्ट एसोसिएशन से सहयोग की अपील

खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने छत्तीसगढ़ केमिस्ट एवं ड्रगिस्ट एसोसिएशन से भी अपील की है कि हड़ताल के दौरान मरीजों को जरूरी दवाएं मिलती रहे। इसके लिए दवा दुकानों और स्वास्थ्य सेवाओं को प्रभावित न करने में सहयोग मांगा गया है। प्रशासन लगातार स्थिति पर नजर रखे हुए है।

जरूरत से ज्यादा दवाइयों का स्टॉक न करें

प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि घबराकर ज्यादा दवाइयां जमा न करें। रोजाना दवा लेने वाले लोग जरूरत की दवाएं पहले से रख सकते हैं। जरूरत पड़ने पर सरकारी अस्पतालों, जनऔषधि केंद्रों और मेडिकल स्टोर्स में दवाइयां उपलब्ध रहेंगी।

कोरबा में भी बंद सफल

कोरबा में भी दवाईयों की ऑनलाईन बिक्री के खिलाफ छत्तीसगढ़ केमिस्ट एण्ड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के आह्वान पर कारोबारी अपने-अपने मेडिकल स्टोर्स को बंद रखा। छत्तीसगढ़ केमिस्ट एण्ड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष एवं कोरबा जिला अध्यक्ष उमेश सिरोठिया के नेतृत्व में एसोसिएशन के सदस्यों ने भी धरना प्रदर्शन किया और कई जगह घूमकर मेडिकल दुकानें बंद की समीक्षा की।

कोयला घोटाला

नारायण साहू के खिलाफ 5वीं सप्लीमेंट्री चार्जशीट पेश

अवैध वसूली कर पैसे रजनीकांत के पास जमा करता था, 7.5 करोड़ कैश अधिकारियों तक पहुंचाया

रायपुर, एजेंसी।

छत्तीसगढ़ कोयला लेवी घोटाला मामले में ACB-EOW ने कारोबारी सूर्यकांत तिवारी के ड्राइवर नारायण साहू के खिलाफ सप्लीमेंट्री चार्जशीट पेश किया है। जांच एजेंसी के अनुसार, अब तक इस मामले में एक मूल और 5 पूरक चालान पेश किए जा चुके हैं। आरोपी नारायण साहू फिलहाल रायपुर के सेंट्रल जेल में बंद है।

ACB-EOW की जांच में सामने आया है कि, नारायण साहू अवैध कोल लेवी वसूली सिंडिकेट का सक्रिय सदस्य था। वह कथित तौर पर मुख्य आरोपी सूर्यकांत तिवारी के कहने पर कोयला कारोबारियों और ट्रांसपोर्टरों से अवैध कैश वसूली करता था।

7.5 करोड़ रुपए कैश अधिकारियों तक पहुंचाई

EOW के मुताबिक, आरोपी नारायण साहू वसूली गई रकम को कलेक्ट कर सूर्यकांत के भाई रजनीकांत तिवारी के पास जमा करता था। जांच में यह भी सामने आया है कि अवैध वसूली की रकम में से करीब 7.5 करोड़ रुपए कैश राज्य सेवा अधिकारी सौम्या चौरसिया और निलंबित IAS समीर विश्नोई समेत कई लोगों तक पहुंचाई गई।

कई आरोपियों की भूमिका की जांच जारी

एजेंसी ने बताया कि, मामले में पहले से पेश अभियोग पत्रों के साथ अतिरिक्त साक्ष्य भी अदालत में प्रस्तुत किए गए हैं। वहीं, इस मामले में अन्य संभावित आरोपियों की भूमिका की जांच अभी जारी है।

जानिए क्या है 570 करोड़ से ज्यादा का कोल स्कैम?

ED का दावा है कि छत्तीसगढ़ में कोयला घोटाला किया गया है। इस मामले में 36 लोगों के खिलाफ FIR दर्ज की गई थी। ईडी का आरोप है कि कोयले के परिचालन, ऑनलाइन परमिट को ऑफलाइन करने समेत कई तरीकों से करीब 570 करोड़ रुपए से अधिक की अवैध वसूली की गई थी।

कार में बंद होने से दो सगी बहनों की गई जान

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान के अलवर जिले से एक बेहद ही दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, यहां छोटी सी लापरवाही ने एक परिवार की खुशियां छीन ली। यहां बुधवार को खेलते - खेलते दो सगी बहनें कार के अंदर बंद हो गई जिससे उनका दम घुटने से मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि यह घटना वैशाली नगर थाना क्षेत्र के खुड़ानपुरी गांव में हुई। पुलिस के अनुसार बच्चियों की पहचान टीना (8) और लक्ष्मी (5) के रूप में हुई है। दोनों खेलते-खेलते पास के एक कार सर्विस सेंटर में चली गईं और वहां खड़ी एक गाड़ी में बैठ गईं। बताया गया कि कार के दरवाजे अपने आप लॉक हो गए और बच्चियां अंदर फंस गईं। पुलिस ने बताया कि परिवार और ग्रामीणों ने बच्चियों के लंबे समय तक नहीं मिलने पर खोज शुरू की। बाद में वे कार के भीतर बेहोश मिलीं। बाहर निकालने पर पता चला कि दम घुटने से उनकी मौत हो चुकी थी। थाना प्रभारी ने बताया कि शवों को जिला अस्पताल के मुर्दाघर में भेज दिया गया है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। बच्चियों के पिता रमेश ने बताया कि परिवार वर्तमान में खुड़ानपुरी में किराए के मकान में रह रहा था। उन्होंने कहा कि उनकी पत्नी की चार साल पहले मौत हो गई थी और दोनों बेटियां ही उनका सहारा थीं।

ईरान-अमेरिका तनाव से वैश्विक अर्थव्यवस्था पर बड़ा खतरा, 100 साल का टूटेगा रिकॉर्ड?

वाशिंगटन/तेलअवीव, एजेंसी।

ग्लोबल इकोनॉमी को लेकर संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के अर्थशास्त्रियों ने पूरी दुनिया को चेताया है। ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ता तनाव का असर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर गहराने की चेतावनी यूएन ने दी है। यूएन अर्थशास्त्रियों के मुताबिक, यह संकट वैश्विक विकास की रफ्तार को धीमा कर सकता है, महंगाई बढ़ा सकता है और कोविड-19 से अब तक हुई ग्रोथ दोबारा मिट्टी में मिल सकती है। हालात बिगड़ने पर दुनिया की ग्रोथ 100 साल की सबसे सुस्त गति तक पहुंच सकती है।

वैश्विक ग्रोथ पर असर

संयुक्त राष्ट्र के अर्थशास्त्रियों के अनुसार, 2026 में वैश्विक आर्थिक विकास दर घटकर लगभग 2.5% रह सकती है, जबकि पहले यह अनुमान 2.7% था। अगर हालात और बिगड़ते हैं तो यह गिरकर 2.1% तक भी पहुंच सकती है।

महंगाई बढ़ने का खतरा

संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक एवं सामाजिक मामलों के विभाग के अनुसार, इस संकट की वजह से वैश्विक महंगाई दर 3.9% तक जा सकती है। यह पहले के अनुमान से करीब 0.8% अधिक है।

100 साल की सबसे धीमी रफ्तार

संयुक्त राष्ट्र के अधिकारी शांतनु मुखर्जी के मुताबिक, यह पिछले 100 वर्षों में सबसे धीमी आर्थिक वृद्धि हो सकती है। इसमें COVID-19 महामारी और 2008 की आर्थिक मंदी जैसे बड़े संकटों का असर भी शामिल है।

तेल और सप्लाई चेन पर असर

होर्मुज जलडमरूमध्य में किसी भी तरह की बाधा से तेल, गैस और फर्टिलाइज़र की सप्लाई प्रभावित हो सकती है। इसका सीधा असर वैश्विक बाजारों और उत्पादन लागत पर पड़ेगा।

कौन सबसे ज्यादा प्रभावित होगा

विकसित देशों में महंगाई 2.6% से बढ़कर 2.9% तक जा सकती है।

विकासशील देशों में यह 4.2% से बढ़कर 5.2% तक पहुंच सकती है।

संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी का असर हर सेक्टर पर पड़ता है, जिससे उत्पादन, ट्रांसपोर्ट और आम लोगों की कमाई पर दबाव बढ़ता है।

प्लीज अपनी बेटी का शव ले जाओ...

भोपाल, एजेंसी।

भोपाल पुलिस ने बुधवार को ट्विशा शर्मा के पिता से उनके शव को अपने कब्ज़े में लेने की अपील की। ट्विशा नोएडा की रहने वाली थीं, जिन पर कथित तौर पर दहेज के लिए ज़ुल्म किया गया था और जिनकी पिछले हफ़्ते यहीं मौत हो गई थी। पुलिस ने यह अपील इस आशंका के चलते की है कि जब तक वे दोबारा पोस्टमार्टम की मंज़ूरी का इंतज़ार कर रहे हैं, तब तक शव सड़ना शुरू हो सकता है। ट्विशा का शव 13 मई को पोस्टमार्टम होने के बाद से ही भोपाल के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS) के मुर्दाघर में रखा हुआ है। AIIMS से मिली जानकारी का हवाला देते हुए पुलिस ने बताया कि शव को ज़्यादा समय तक सुरक्षित रखने के लिए उसे माइनस 80 डिग्री सेल्सियस तापमान पर रखना ज़रूरी होता है और यह सुविधा AIIMS भोपाल में उपलब्ध नहीं है। ट्विशा का शव 12 मई की रात भोपाल के कटारा हिल्स इलाके में उनके ससुराल में मिला था। पुलिस ने एक FIR दर्ज की है, जिसमें उनके पति (पेशे से वकील) समर्थ सिंह और उनकी सास (सेवानिवृत्त जज) गिरिबाला सिंह पर दहेज के लिए हत्या और ज़ुल्म करने का आरोप लगाया गया है। ट्विशा का परिवार, जो मूल रूप से नोएडा का रहने वाला है। पुलिस ने इसे आत्महत्या माना है।

राजनीति

बच्चा पैदा करो पैसा मिलेगा

आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू लगता है आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के नक्शे कदम पर चल रहे हैं। कुछ माह पूर्व मोहन भागवत ने आह्वान किया था कि हिन्दू अधिक से अधिक बच्चा पैदा करें, नहीं तो हिन्दू एक दिन अल्पसंख्यक बन जाएंगे। 17 मई को आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे अधिक से अधिक बच्चे पैदा करें। नायडू ने सिर्फ आह्वान ही नहीं किया, बल्कि तीसरे और चौथे बच्चे पैदा करने पर 30 हजार और 40 हजार प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा भी की। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत और सीएम चंद्रबाबू नायडू दोनों ने बच्चों को जनधन कहा। बच्चे हमारे लिए बोझ नहीं बल्कि हमारे धन हैं और अधिक से अधिक जन-धन बढ़ाने उन्होंने आमजनता से आह्वान किया। दोनों में फर्क इतना है कि मोहन भागवत ने सिर्फ हिन्दुओं से आह्वान किया, जबकि नायडू ने किसी धर्म विशेष के लिए यह आफर नहीं बल्कि आमजनता के लिए दिया। मोहन भागवत का कहना है कि अन्य धर्म के लोग बच्चे पैदा किए जा रहे हैं, जबकि हिन्दू एक या दो संतान ही लेते हैं। चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि पहले हम जनसंख्या स्थिरता के लिए प्रयास करते रहे, लेकिन अब समय आ गया है कि हम बच्चों को धन के रूप में पालें-पोषें। बच्चे बोझ नहीं बल्कि हमारी आर्थिक समृद्धि के प्रतीक हैं। नायडू ने प्रथम-द्वितीय बच्चे के जन्म पर कोई प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा नहीं की है, क्योंकि केन्द्र सरकार से प्रथम बच्ची पैदा होने पर प्रोत्साहन राशि मिलती है और चंद्रबाबू नायडू जानते हैं कि सभी लोग एक या दो बच्चे लेते ही हैं।

-संपादक

मोदी की 05 देशों की यात्रा

भारत की कूटनीतिक सफलता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पांच देशों के हालिया विदेश दौरे के कई बड़े कूटनीतिक, आर्थिक, सामरिक और राजनीतिक मायने हैं। क्योंकि मई 2026 में उनका यूएई, नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली का दौरा ऐसे समय हो रहा है, जब दुनिया ऊर्जा संकट, ईरान युद्ध, सप्लाई चेन अस्थिरता और नए वैश्विक ध्रुवीकरण से गुजर रही है। लिहाजा, पीएम मोदी का यह विदेश दौरा केवल औपचारिक यात्रा नहीं, बल्कि ऊर्जा सुरक्षा, वैश्विक शक्ति संतुलन, निवेश आकर्षण, तकनीकी साझेदारी, और भारत की उभरती महाशक्ति छवि को मजबूत करने की बहुस्तरीय रणनीतिक कवायद माना जा रहा है।

यूरोप के साथ नई तकनीकी साझेदारी विकसित होगी, क्योंकि नीदरलैंड, स्वीडन और नॉर्वे का चयन बहुत रणनीतिक माना जा रहा है। चूंकि इन देशों से भारत सेमीकंडक्टर तकनीक, हरित ऊर्जा, जल प्रबंधन, एआई (AI) और रक्षा तकनीक और आर्कटिक एवं समुद्री सहयोग को मजबूत करना चाहता है।

पहला, ऊर्जा सुरक्षा सबसे बड़ा लक्ष्य है, क्योंकि भारत दुनिया का बड़ा तेल आयातक देश है। ईरान संकट और पश्चिम एशिया में तनाव के कारण तेल कीमतें बढ़ रही हैं। ऐसे समय में यूएई दौरा भारत की ऊर्जा सुरक्षा मजबूत करने का प्रयास माना जा रहा है। लिहाजा भारत और यूएई के बीच रणनीतिक पेट्रोलियम भंडारण, एलपीजी (LPG) सप्लाई, ऊर्जा निवेश, समुद्री सुरक्षा जैसे अहम समझौते हुए हैं। इससे संकेत मिलता है कि भारत भविष्य के किसी बड़े वैश्विक ऊर्जा संकट के लिए खुद को सुरक्षित करना चाहता है। दूसरा, पश्चिम एशिया में भारत की रणनीतिक पकड़ बढ़ रही है, क्योंकि यूएई ने पीएम मोदी का असाधारण स्वागत किया- एफ-16 एस्कॉर्ट और राष्ट्रपति स्तर की अगवानी- यह दिखाता है कि भारत अब केवल 'तेल खरीदने वाला देश' नहीं बल्कि एक रणनीतिक साझेदार बन चुका है। यह मोदी की बड़ी कूटनीतिक सफलता है।

मिट्टी की सौंधी महक, परंपराओं की खुशबू और लोकजीवन की मिठास

छत्तीसगढ़ जहां हर परंपरा में बसती है संस्कृति की आत्मा

आज आधुनिकता और वैश्वीकरण के दौर में भी छत्तीसगढ़ अपनी लोक परंपराओं और सांस्कृतिक मूल्यों को सहेजकर आगे बढ़ रहा है। राज्य सरकार, सांस्कृतिक संस्थाएं और स्थानीय समुदाय लोककला, लोकनृत्य और जनजातीय परंपराओं के संरक्षण के लिए निरंतर प्रयास कर रहे हैं। पर्यटन और सांस्कृतिक आयोजनों के माध्यम से प्रदेश की कला और संस्कृति को राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिल रही है।

छत्तीसगढ़ की संस्कृति केवल अतीत की धरोहर नहीं, बल्कि वर्तमान समाज की जीवंत चेतना है। यहां की लोक परंपराएं लोगों को प्रकृति से जुड़ना, सामूहिक जीवन जीना और अपनी जड़ों से जुड़े रहना सिखाती हैं। लोकगीतों की मधुर धुन, मांदर की गूंज, त्योहारों की जीवंतता और लोगों की सहज आत्मीयता मिलकर छत्तीसगढ़ को भारतीय संस्कृति की एक अद्वितीय और गौरवशाली पहचान प्रदान करती है।

छत्तीसगढ़ अपनी समृद्ध लोक संस्कृति, पारंपरिक कला और जीवंत लोकजीवन के लिए पूरे देश में विशेष पहचान रखता है। यहां की संस्कृति मिट्टी की सोंधी खुशबू, लोकगीतों की मधुरता, जनजातीय परंपराओं की आत्मीयता और सामाजिक समरसता से परिपूर्ण है। यह प्रदेश विविधताओं से भरा हुआ ऐसा सांस्कृतिक क्षेत्र है, जहां आधुनिकता के बढ़ते प्रभाव के बावजूद लोकपरंपराएं आज भी लोगों के जीवन का अभिन्न हिस्सा बनी हुई हैं। गांवों की चौपालों से लेकर जनजातीय अंचलों तक यहां की संस्कृति हर पल जीवंत दिखाई देती है।

छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत अत्यंत प्राचीन और गौरवशाली रही है। प्राचीन काल में यह क्षेत्र दक्षिण कोसल के नाम से प्रसिद्ध था। रामायण काल से जुड़े अनेक प्रसंग यहां की धरती से संबंधित माने जाते हैं। जनश्रुतियों के अनुसार भगवान श्रीराम ने अपने वनवास का लंबा समय इसी क्षेत्र में व्यतीत किया था। यही कारण है कि यहां की लोक आस्था, धार्मिक परंपराओं और लोकगीतों में रामकथा का विशेष प्रभाव दिखाई देता है। समय के साथ यहां आदिवासी संस्कृति, ग्रामीण जीवन और विभिन्न समुदायों की परंपराओं ने मिलकर एक अनूठी सांस्कृतिक पहचान का निर्माण किया है।

छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति का सबसे सशक्त पक्ष यहां की लोकभाषा और लोकगीत हैं। छत्तीसगढ़ी भाषा की मिठास और सहजता लोगों के व्यवहार में स्पष्ट रूप से झलकती है। यहां बोली जाने वाली छत्तीसगढ़ी केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि भावनाओं और लोक जीवन की अभिव्यक्ति है। इसके अलावा सरगुजिहा, हल्बी, गोंडी, कुड़ुख और अन्य जनजातीय बोलियां भी प्रदेश की सांस्कृतिक विविधता को समृद्ध बनाती हैं। ग्रामीण परिवेश में आज भी ददरिया, सुआ गीत, करमा गीत और पंथी गीतों की गूंज सुनाई देती है। इन गीतों में प्रेम, प्रकृति, श्रम, सामाजिक संबंध और लोक आस्था का सुंदर चित्रण मिलता है।

प्रदेश के लोकनृत्य यहां की सांस्कृतिक पहचान को विशेष रूप से दर्शाते हैं। लोकनृत्य केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि सामूहिक जीवन, सामाजिक उत्सव और धार्मिक आस्था का प्रतीक भी है। पंथी नृत्य सतनामी समाज की धार्मिक परंपरा से जुड़ा हुआ है, जिसमें संत गुरु घासीदास जी की शिक्षाओं और आध्यात्मिक भावनाओं का प्रभाव दिखाई देता है। राउत नाचा दीपावली के अवसर पर किया जाने वाला प्रसिद्ध लोकनृत्य है। इसी प्रकार करमा नृत्य आदिवासी समाज में प्रकृति और फसल उत्सव से जुड़ा हुआ है। मांदर और ढोल की थाप पर सामूहिक रूप से किया जाने वाला यह नृत्य जनजातीय जीवन की ऊर्जा और उत्साह को अभिव्यक्त करता है। महिलाओं द्वारा किया जाने वाला सुआ नृत्य भी छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

बस्तर अंचल की जनजातीय संस्कृति छत्तीसगढ़ की आत्मा मानी जाती है। यहां रहने वाले गोंड, मुरिया, हल्बा, भतरा, माड़िया, भतरा और अन्य जनजातीय समुदाय आज भी अपनी पारंपरिक जीवनशैली, वेशभूषा और सांस्कृतिक मूल्यों को संजोए हुए हैं। जनजातीय समाज प्रकृति को जीवन का आधार मानता है। जंगल, नदी, पहाड़ और भूमि यहां केवल संसाधन नहीं, बल्कि आस्था और जीवन के प्रतीक हैं। बस्तर के हाट-बाजार केवल व्यापारिक केंद्र नहीं होते, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक मेलजोल के जीवंत मंच भी होते हैं। यहां लोकगीत, नृत्य, पारंपरिक वाद्ययंत्र और हस्तशिल्प एक

साथ दिखाई देते हैं।

छत्तीसगढ़ की पारंपरिक कला और हस्तशिल्प भी देशभर में विशेष पहचान रखते हैं। बस्तर की ढोकरा कला विश्व प्रसिद्ध है। धातु से बनी पारंपरिक मूर्तियां और कलात्मक वस्तुएं यहां की अद्भुत शिल्पकला का उदाहरण हैं। इसी प्रकार लकड़ी और बांस से निर्मित हस्तशिल्प ग्रामीण और जनजातीय कारीगरों की रचनात्मकता को दर्शाते हैं। मिट्टी के बर्तन, लोक चित्रकला, पारंपरिक आभूषण और गोदना कला भी प्रदेश की सांस्कृतिक धरोहर का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। गोदना केवल सौंदर्य का माध्यम नहीं, बल्कि सांस्कृतिक पहचान और पारंपरिक विश्वासों का प्रतीक माना जाता है।

छत्तीसगढ़ के त्योहार यहां की लोक संस्कृति को और अधिक जीवंत बनाते हैं। यहां के अधिकांश पर्व कृषि, प्रकृति और लोक आस्था से जुड़े हुए हैं। हरेली किसानों का प्रमुख त्योहार है, जिसमें कृषि उपकरणों की पूजा की

जाती है। पोला पर्व बैलों और कृषि संस्कृति के सम्मान का प्रतीक है। तीजा महिलाओं का प्रमुख पर्व है, जो परिवार की सुख-समृद्धि और दांपत्य-जीवन की मंगलकामना के लिए मनाया जाता है। छेरछेरा त्योहार सामाजिक समरसता और अन्नदान की परंपरा को दर्शाता है। इन पर्वों के दौरान लोकगीत, नृत्य और पारंपरिक व्यंजन पूरे वातावरण को उत्सवमय बना देते हैं।

बस्तर दशहरा छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक परंपराओं का सबसे भव्य उदाहरण माना जाता है। यह देश का सबसे लंबा चलने वाला दशहरा उत्सव है, जो लगभग 75 दिनों तक मनाया जाता है। यह पर्व शक्ति की आराधना, जनजातीय परंपराओं और सामाजिक सहभागिता का अनूठा संगम है। मां दंतेश्वरी की पूजा के साथ निकलने वाली विशाल रथयात्रा यहां की सांस्कृतिक आस्था का अद्भुत दृश्य प्रस्तुत करती है।

छत्तीसगढ़ का खान-पान भी यहां की संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है। चावल यहां का प्रमुख भोजन है। फरा, चीला, अंगाकर रोटी, ठेठरी-खुरमी, देहरौरी और बोरे बासी जैसे पारंपरिक व्यंजन प्रदेश की विशेष पहचान हैं। बोरे बासी को श्रमशील जीवनशैली और ग्रामीण संस्कृति का प्रतीक माना जाता है। प्राकृतिक और सादगीपूर्ण भोजन यहां के लोगों के स्वास्थ्य और जीवनशैली से गहराई से जुड़ा हुआ है।

प्रदेश में स्थित प्राचीन मंदिर, ऐतिहासिक स्थल और प्राकृतिक धरोहरें भी इसकी सांस्कृतिक समृद्धि को प्रदर्शित करती हैं। बम्लेश्वरी मंदिर, सिरपुर, बत्तीसा मंदिर और चित्रकोट जलप्रपात जैसे स्थल प्रदेश की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान को और अधिक समृद्ध बनाते हैं। जसं, छत्तीसगढ़।

वनोपज से संवरती ग्रामीण अर्थव्यवस्था

छत्तीसगढ़, जिसे हर्बल स्टेट के रूप में जाना जाता है, आज अपनी समृद्ध वन संपदा और दूरदर्शी शासकीय नीतियों के बल पर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को एक नई दिशा दे रहा है। यहां के वनों

से प्राप्त होने वाला 'ग्रीन गोल्ड' अब केवल स्थानीय उपयोग तक सीमित नहीं है, बल्कि वैश्विक बाज़ारों में अपनी चमक बिखेर रहा है। छत्तीसगढ़ की यह पहल न केवल वनों का संरक्षण कर रही है, बल्कि ग्रामीण समाज में स्वावलंबन, आत्मविश्वास और आर्थिक सुरक्षा की एक नई चेतना का संचार कर रही है।

'ग्रीन गोल्ड' (हरा सोना) वनों की असली पूँजी छत्तीसगढ़ में वनोपज को 'हरा सोना' कहा जाता है, जो राज्य की आर्थिक रीढ़ है। तेंदूपत्ता एवं बांस बहुमुखी उपयोगिता के कारण इन्हें प्रमुखता से श्हरा सोनाश् माना जाता है। लाख, शहद और दुर्लभ औषधीय पौधों के साथ-साथ सागौन, साल, बीजा और शीशम जैसे कीमती वृक्ष यहाँ प्रचुर मात्रा में उपलब्ध हैं। आधुनिक प्रसंस्करण के माध्यम से इन कच्चे माल को उच्च मूल्य के उत्पादों में बदला जा रहा है।

जामगांव एम केंद्रीय प्रसंस्करण इकाई

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और वन मंत्री केदार कश्यप द्वारा लोकार्पित यह इकाई वनोपज आधारित अर्थव्यवस्था का पावरहाउस है। आंवला, बेल, गिलोय और अश्वगंधा जैसे उत्पादों को जूस, कैंडी और हर्बल पाउडर में परिवर्तित किया जाता है। वैज्ञानिक भंडारण यहाँ 20 हजार मीट्रिक टन क्षमता वाले अत्याधुनिक गोदाम हैं, जो उपज को सुरक्षित रखते हुए संग्राहकों को बाजार के उतार-चढ़ाव से बचाते हैं।

छत्तीसगढ़ हर्बल्स स्थानीय से वैश्विक तक राज्य सरकार का यह आधिकारिक ब्रांड शुद्धता और प्राकृतिक उत्पादों का पर्याय बन चुका है। संजीवनी स्टोरों की संख्या 30 से बढ़कर अब 1,500 से अधिक हो गई है। ई-कॉमर्स अब ये उत्पाद अमेज़न और फ्लिपकार्ट जैसे प्लेटफॉर्म्स पर भी उपलब्ध हैं। प्रमुख उत्पाद भृंगराज तेल, नीम तेल, च्यवनप्राश, शुद्ध शहद, महुआ उत्पाद, बेल शर्बत और विभिन्न आयुर्वेदिक चूर्ण।

महिला सशक्तिकरण अर्थव्यवस्था की रीढ़

इस पूरी व्यवस्था के केंद्र में महिला स्व-सहायता समूह हैं। दूरस्थ और आदिवासी क्षेत्रों की महिलाएं मशीन संचालन, गुणवत्ता परीक्षण और पैकेजिंग का कार्य संभाल रही हैं। ग्रामीण क्षेत्रों से पलायन में कमी आई है और परिवारों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह मॉडल आदिवासी महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का सफल उदाहरण है।

हर्बल एक्सट्रैक्शन यूनिट (2025)

भविष्य की राह को देखते हुए वर्ष 2025 में स्थापित इस यूनिट

ने छत्तीसगढ़ को 'हर्बल मैन्युफैक्चरिंग हब' के रूप में स्थापित कर दिया है। यहाँ औषधीय पौधों से उच्च गुणवत्ता वाले अर्क तैयार किए जाते हैं, जिनकी भारी मांग अंतर्राष्ट्रीय फार्मास्युटिकल और वेलनेस इंडस्ट्री में है। राज्य अब केवल कच्चा माल देने वाला क्षेत्र नहीं, बल्कि परिष्कृत उत्पादों का निर्माता बन गया है।

चांद मेरा दिल... पर सेंसर बोर्ड की कैंची

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे और एक्टर लक्ष्य इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'चांद मेरा दिल' को लेकर काफी सुर्खियों में हैं। हाल ही में रिलीज हुए

फिल्म के ट्रेलर में, दोनों की रोमांटिक केमिस्ट्री देखने को मिली, जिसके बाद से ही फैंस दोनों की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री के लिए बेताब हैं। हालांकि, फिल्म की रिलीज से ठीक पहले फैंस को निराश करने वाली खबर सामने आई है। खबर के मुताबिक, सेंसर बोर्ड ने फिल्म के कुछ रोमांटिक सीन्स पर कैंची चला दी है। फिल्म 'चांद मेरा दिल' को सिनेमाघरों में रिलीज करने से पहले मेकर्स को सेंसर बोर्ड की प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन ने फिल्म को 'U/A 16+' सर्टिफिकेट देने से पहले इसमें कई बड़े बदलाव करने के निर्देश दिए। खबरों की मानें तो बोर्ड ने फिल्म से करीब 96 सेकंड के किसिंग और इंटीमेट सीन्स हटवाए हैं। इसमें एक 10 सेकंड का किसिंग सीन शामिल है, जिसे हटाकर उसकी जगह दूसरे विजुअल्स डालने को कहा गया। इसके अलावा, लगभग 1 मिनट 26 सेकंड लंबे लिप-लॉक सीन्स को भी फिल्म से पूरी तरह डिलीट कर दिया गया है। एजेंसी।

पेट्रोल-डीजल महंगा होने से बढ़ेगी बेतहाशा महंगाई

डॉ गजेन्द्र तिवारी
शिक्षाविद
पाली जिला कोरबा
मो.: 94241-50282

ईरान वर्सेस ईजराइल-अमेरिका एवं रूस वर्सेस यूक्रेन युद्ध ने पूरे विश्व में प्रभाव डाला है। मीडिल ईस्ट युद्ध के कारण पेट्रोलियम पदार्थों एवं गैस ईंधन की सप्लाई चेन बाधित होने से विश्व को प्रभाव पड़ा है, लेकिन आयातित देश भारत को इसका दुष्परिणाम ज्यादा भोगना पड़ रहा है। कच्चे तेल और ईंधन का भाव आसमान छू रहा है, दूसरी ओर आयल कम्पनियां 13 हजार करोड़ के नुकसान का तमाशा बनाकर जनता को भारी बोझ देने की फिराक में हैं। इन तेल कम्पनियों पर सरकार का सीधा नियंत्रण न होने का बहाना बनाकर सरकार अपनी जिम्मेदारी से पीछा छुड़ा रही है। यदि तेल कम्पनियों पर सरकार का नियंत्रण नहीं है, तो ये तेल कम्पनियां सरकार के ईशारे पर क्यों चलती हैं। 5 राज्यों में विधानसभा चुनाव सम्पन्न होते ही महंगाई का सुरसा मूंह खुलने लगा है और पेट्रोल-डीजल में लगभग 3 रूपए प्रतिलिटर की महंगाई की मार जनता पर डाल दी गई है। सरकार लोगों से वचन ले रही है कि वे ईंधन का खपत कम करेंगे। शासन-प्रशासन पेट्रोलियम पदार्थों की किल्लत न होने का आश्वासन दे रहे हैं, लेकिन अधिकांश पेट्रोल पम्प ड्राई क्यों हैं? लम्बी लाईनें क्यों लग रही हैं? मोटरसायकिल में 02 लीटर से अधिक पेट्रोल नहीं मिल पा रहा है। पुष्ट सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि तेल कम्पनियों को पेट्रोल-डीजल में 13 हजार करोड़ का घाटा हो रहा है और 25 रूपए प्रतिलीटर बढ़ाने की फिराक में ये कम्पनियां लगी हुई हैं। यह सारा खेल चुनाव निपटने के बाद ही क्यों खेला जा रहा है। फिर चुनाव आएगा और सरकार चुनावी लाभ लेने के लिए 01-02 रूपए घटा कर फिर वाहवाही लूटेगी। 25 रूपए बढ़ाकर 01-02 रूपए कम करना और जनता को गुमराह करना कोई भाजपा सरकार से ही सीख सकता है। भाजपा सरकार आते ही महंगाई बेलगाम क्यों हो जाती है? पेट्रोल-डीजल महंगा होने के पीछे कहीं सरकार का रूख उद्योगपतियों को लाभ पहुंचाना तो नहीं? इलेक्ट्रिक व्हीकल उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए कहीं पेट्रोल-डीजल महंगाई एक साजिश तो नहीं? कुछ भी हो पेट्रोल-डीजल महंगा होने पर सभी वस्तुएं महंगी होंगी और महंगाई झेल रही जनता कहीं इस महंगाई से टूट न जाए। कहा जाता है कि भाजपा सरकार उद्योगपतियों की सरकार होती है और एन केन प्रकारेन उद्योगों और उद्योगपतियों की भलाई के लिए सरकार चलाने वाली भाजपा के राज में महंगाई का सुशासन चरम पर पहुंच चुका है। भाजपाई नारा लगाते यह गर्व महसूस करते होंगे, कि हम भ्रष्टाचार मुक्त भारत में जी रहे हैं और कांग्रेस की सरकार आती है तो भ्रष्टाचार बढ़ जाता है। भ्रष्टाचार कांग्रेस के ही शासन में बढ़ता है, लेकिन महंगाई इतनी क्यों नहीं बढ़ती, इस बात पर भी जनता को गौर करना होगा। जनता की जब मार पड़ेगी तो सरकार पलट भी सकती है, इसलिए जनता को भी ध्यान में रखें।

Android से iPhone में फोटो -वीडियो भेजना हुआ आसान

Google का नया फीचर सेकेंड्स में करेगा फाइल ट्रांसफर

अब Android और iPhone के बीच फाइल भेजना पहले जितना मुश्किल नहीं रहेगा। अब न तो अलग ऐप डाउनलोड करने की जरूरत पड़ेगी, न अकाउंट लॉगिन का झंझट और न ही बार-बार फाइल नहीं जा रही वाली परेशानी होगी। क्योंकि, Google ने Quick Share में नया QR Code फीचर जोड़ दिया है, जिसकी मदद से Android यूजर्स अब कुछ सेकेंड में iPhone पर फाइल भेज सकेंगे। खास बात यह है कि फाइल भेजने का यह प्रोसेस बेहद आसान और सुरक्षित है, जिससे दोनों प्लेटफॉर्म के बीच फाइल शेयरिंग का एक्सपीरियंस पहले से काफी बेहतर हो सकता है। Google ने इस फीचर का ऐलान हाल ही में हुए अपने इवेंट ndroid Show 2026 में की थी और अब इसे धीरे-धीरे यूजर्स के लिए रोलआउट किया जा रहा है।

कैसे काम करेगा नया Quick Share फीचर?

Google का नया QR Code फीचर खासतौर पर Android और iPhone के बीच आसान फाइल ट्रांसफर के लिए तैयार किया गया है। ऐसे में-

जब Android यूजर्स Quick Share के जरिए कोई फाइल शेयर करेंगे, तो स्क्रीन पर QR Code जेनरेट करने का ऑप्शन दिखाई देगा।

QR Code जेनरेट होने के बाद iPhone यूजर अपने फोन के कैमरा ऐप से उसे आसानी से स्कैन कर सकेंगे।

QR Code स्कैन करते ही iPhone स्क्रीन पर एक डाउनलोड लिंक दिखाई देगा।

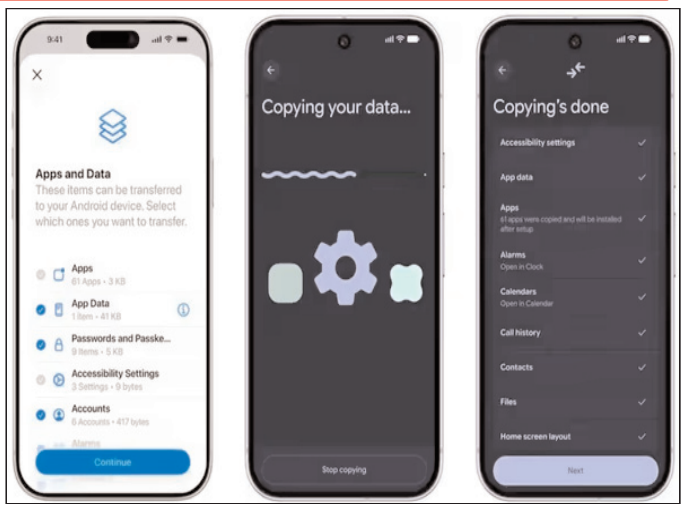

Android से iPhone में ऐसे भेजें फाइल

Android से iPhone में फाइल ट्रांसफर के लिए नीचे दिए गए आसान स्टेप्स को फॉलो करें:-

सबसे पहले अपने Android फोन में वह फाइल खोलें जिसे शेयर करना है।

अब Share बटन पर टैप करें और शेयरिंग ऑप्शन में Quick Share चुनें।

Quick Share खुलने के बाद आपको QR Code Sharing का ऑप्शन दिखाई देगा।

इस पर टैप करते ही आपकी फाइल के लिए एक QR Code जेनरेट हो जाएगा।

अब iPhone यूजर अपने फोन के कैमरा ऐप से उस QR Code को स्कैन करे।

स्क्रीन पर दिखाई देने वाले लिंक पर टैप करते ही फाइल डाउनलोड होना शुरू हो जाएगी।

इस नए फीचर के आने के बाद Android और iPhone के बीच फाइल शेयरिंग पहले के मुकाबले काफी आसान और फास्ट हो सकती है।

यूजर को सिर्फ उस लिंक पर टैप करना होगा और फाइल सीधे फोन में डाउनलोड होना शुरू हो जाएगी।

इस फीचर के लिए iPhone में किसी अलग ऐप को इंस्टॉल करने या अकाउंट लॉगिन करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

Google के मुताबिक, इस तरीके से शेयर की गई सभी फाइल्स End-to-End Encryption के साथ सुरक्षित रहेंगी।

शेयर किया गया लिंक 24 घंटे तक एक्टिव रहेगा और उसके बाद अपने आप एक्सपायर हो जाएगा। एजेंसी।

अब ChatGPT बताएगा आपकी सैलरी कहां उड़ रही है

खर्च और बचत का पूरा हिसाब, आया नया फीचर

OpenAI ने ChatGPT को सिर्फ सवाल-जवाब वाला टूल नहीं रहने दिया है। यह अब यह आपकी रोजमर्रा की पैसों से जुड़ी आदतों को समझने में भी मदद कर सकता है। बैंक अकाउंट जोड़ने पर ये खर्च, बचत और निवेश का पैटर्न समझकर ऐसे जवाब देता है, जैसे कोई पर्सनल फाइनेंस असिस्टेंट आपके साथ बैठा हो।

OpenAI ने अब ChatGPT के अंदर एक नया पर्सनल फाइनेंस (Personal Finance) फीचर शुरू किया है। यह फीचर पैसों को समझना काफी आसान बना सकता है। आसान शब्दों में कहें तो अब यूजर्स अपने बैंक अकाउंट, क्रेडिट कार्ड और इन्वेस्टमेंट अकाउंट सीधे ChatGPT से कनेक्ट कर सकते हैं। इसके बाद AI आपके खर्च, सेविंग्स और इन्वेस्टमेंट को समझकर बेहतर तरीके से जानकारी देने में मदद करेगा। फिलहाल यह फीचर सिर्फ अमेरिका में Pro यूजर्स के लिए उपलब्ध है। कंपनी ने बताया है कि आने वाले समय में Plus यूजर्स को भी यह सुविधा मिलेगी और धीरे-धीरे इसे सभी यूजर्स के लिए खोलने की तैयारी है। आइए इस फीचर के बारे में डिटेल में जानते हैं।

यह फीचर कैसे काम करता है और आप इससे क्या पूछ सकते हैं?

अगर आप अपना अकाउंट कनेक्ट कर देते हैं, तो ChatGPT आपके पैसों का पूरा हिसाब एक ही जगह दिखाने लगता है। यानी आपने कहां कितना खर्च किया, कितने इन्वेस्ट हैं, कौन-कौन से सब्सक्रिप्शन चल रहे हैं और आने वाले बिल या पेमेंट क्या हैं। सब कुछ एक डैशबोर्ड में नजर आता है। कंपनी का कहना है कि यह फीचर Plaid के इंटीग्रेशन के जरिए 12,000 से ज्यादा फाइनेंशियल संस्थानों के साथ काम करता है। यानी अगर आप अपने अलग-अलग बैंक या निवेश खातों को जोड़ना चाहते हैं, तो ऑप्शन की कमी नहीं होगी। इसमें कई बड़े नाम शामिल हैं, जैसे Chase, Fidelity, Robinhood, Charles Schwab, American Express और Capital One.

आप उससे सीधे ऐसे सवाल पूछ सकते हैं, जो आमतौर पर लोग सोचते तो हैं लेकिन पूछने से बचते हैं। जैसे, क्या इस महीने मेरा खर्च ज्यादा हो रहा है? क्या मैं अगले पांच साल में घर खरीदने की सिचुएशन में रहूंगा? कौन-से सब्सक्रिप्शन ऐसे हैं जिनके पैसे अब भी कट रहे हैं और मुझे याद भी नहीं?

इन सवालों के जवाब देने के लिए चैट्स डिफॉल्ट रूप से OpenAI के GPT-5.5 Thinking मॉडल पर चलते हैं। वहीं Pro यूजर्स को GPT-5.5 Pro भी मिलता है, जिसे कंपनी ज्यादा जटिल फाइनेंशियल सवालों को बेहतर तरीके से समझने वाला मॉडल बताती है। इसे इस्तेमाल करने के लिए बस साइडबार में Finances खोलना होता है, या सीधे चैट में @Finances टाइप करके शुरू कर सकते हैं। एजेंसी।

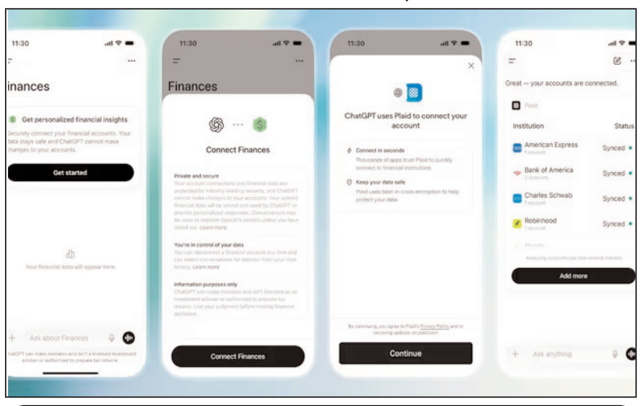

Hiro की टीम के साथ मिलकर तैयार हुआ यह फीचर

यह फीचर उस समय आया है जब एक महीने पहले OpenAI ने पर्सनल फाइनेंस स्टार्टअप Hiro को खरीद लिया था। Hiro की टीम ने इस फीचर को बनाने में मदद की है, हालांकि कंपनी ने यह नहीं बताया कि डील कितने की हुई। अब अगला सपोर्ट Intuit का आने वाला है, जिससे ChatGPT के अंदर ही स्टॉक बेचने पर लगने वाले टैक्स का अंदाजा और क्रेडिट कार्ड मिलने की संभावना जैसी जानकारी भी मिल सकेगी।

क्या-क्या देख सकता है ये फीचर और कैसे हटाएं इसे

इस फीचर की मदद से ChatGPT आपकी पैसों से जुड़ी जानकारी जैसे बैंक बैलेंस, ट्रांजैक्शन, निवेश और कर्ज देख सकता है। लेकिन यह आपके पैसे ट्रांसफर नहीं कर सकता और न ही आपके बैंक अकाउंट का पूरा नंबर देख पाता है। अगर बाद में आपका मन बदल जाए, तो आप कभी भी अपना अकाउंट डिस्कनेक्ट कर सकते हैं। ऐसा करने पर जो डेटा सिंक हुआ है, वह 30 दिनों के अंदर हटा दिया जाएगा।

आप चाहें तो ChatGPT की financial memories भी मिटा सकते हैं। यानी जैसे आपने इसे बताया हो कि आपके ऊपर होम लोन है या आपने अपने माता-पिता से पैसे उधार लिए हैं। इससे आगे मिलने वाले जवाब आपकी सिचुएशन के हिसाब से थोड़े ज्यादा पर्सनल लग सकते हैं। Temporary chat में तो यह आपके अकाउंट्स को बिल्कुल नहीं छूता।

RX100 से लेकर Chetak तक, इन 7 टू-व्हीलर्स का सड़कों पर था राज, आज भी नाम सुनते ही ताजा हो जाती हैं यादें

RX100, CBZ, Shogun और Pulsar220F जैसी बाइकें कभी भारतीय सड़कों की शान थीं। जानिए आखिर क्यों बंद हो गईं ये आइकॉनिक बाइकें और आज भी क्यों बना हुआ है इनका जबरदस्त क्रेज।

क्यों बंद हो गईं ये मशहूर बाइकें?

इन बाइकों के बंद होने के पीछे सिर्फ एक वजह नहीं थी। सबसे बड़ा कारण नए प्रदूषण नियम बने। पुराने टू-स्ट्रोक इंजन ज्यादा धुआं छोड़ते थे और नए एमिशन नॉर्म्स को पूरा नहीं कर पा रहे थे। इसके अलावा बाजार में नई टेक्नोलॉजी, ज्यादा माइलेज और फीचर वाली बाइकें आने लगीं, जिससे लोगों की पसंद बदलती चली गई।

कंपनियों ने भी समय के साथ इलेक्ट्रिक और फ्यूल एफिशिएंट मॉडल्स पर फोकस बढ़ा दिया। कई पुरानी बाइकें धीरे-धीरे बिक्री में कमजोर पड़ गईं और आखिरकार उनका प्रोडक्शन बंद करना पड़ा। आज इन मॉडलों के स्पेयर पार्ट्स मिलना भी मुश्किल हो गया है, जिससे इन्हें मेंटेन करना आसान नहीं रहा।

Hero Honda CBZ और Pulsar 220F ने बदला युवाओं का टेस्ट

Hero Honda CBZ को भारत की शुरुआती स्पोर्टी बाइकों में गिना जाता है। इसका डिजाइन और परफॉर्मेंस उस दौर में काफी अलग था। कॉलेज जाने वाले युवाओं के बीच यह बाइक स्टेटस सिंबल बन गई थी। हालांकि समय के साथ नई बाइकें बाजार में आईं और CBZ धीरे-धीरे गायब हो गई।

वहीं Bajaj Pulsar 220F ने भारतीय युवाओं को पहली बार बजट में स्पोर्ट्स बाइक जैसा अनुभव दिया। इसकी फुल फेयरिंग, तेज रफ्तार और दमदार रोड प्रजेंस ने इसे बेहद लोकप्रिय बना दिया। बाद में नए BS नॉर्म्स लागू होने के बाद कंपनी को पुराने वर्जन बंद करने पड़े।

नई बाइकें बेहतर हैं, लेकिन पुरानी बाइकों वाली फील नहीं

आज की मोटरसाइकिलें ज्यादा एडवांस, सुरक्षित और पर्यावरण के हिसाब से बेहतर हैं। इनमें बेहतर माइलेज, फीचर्स और टेक्नोलॉजी मिलती है। इसके बावजूद कई बाइक प्रेमियों का मानना है कि पुरानी बाइकों में जो रॉ फील, आवाज और कनेक्शन था, वह आज की मशीनों में कम दिखाई देता है।

यही वजह है कि RX100, Shogun और Machismo जैसी बाइकें आज भी लोगों की यादों में जिंदा हैं। अगर ये मॉडल कभी वापस आते भी हैं, तो शायद उनका अंदाज पहले जैसा नहीं रहेगा।

नई दिल्ली, एजेंसी।

एक दौर था जब भारत की सड़कों पर कुछ बाइकें सिर्फ सफर का साधन नहीं, बल्कि लोगों की पहचान हुआ करती थीं। किसी गली में Yamaha RX100 की आवाज सुनाई दे जाए तो लोग पलटकर देखने लगते थे, वहीं Hero Honda CBZ और Pulsar 220F युवाओं के स्टाइल स्टेटमेंट माने जाते थे। समय बदला, नियम बदले और लोगों की पसंद भी बदल गई, लेकिन इन बाइकों का क्रेज आज भी खत्म नहीं हुआ। यही वजह है कि कई पुरानी बाइकें आज भी सेकेंड हैंड मार्केट में ऊंची कीमत पर बिकती हैं और बाइक लवर्स उन्हें बड़े शौक से संभालकर रखते हैं। आइए जानते हैं उन 7 आइकॉनिक बाइकों और स्कूटर्स के बारे में, जिन्हें भारतीय ऑटोमोबाइल इतिहास कभी नहीं भूल पाएगा।

Bajaj Chetak और Kinetic Honda DX की फैमिली कनेक्शन वाली कहानी

एक समय ऐसा था जब Bajaj Chetak लगभग हर भारतीय परिवार का हिस्सा हुआ करती थी। मजबूत बॉडी और ज्यादा सामान ले जाने की क्षमता के कारण लोग इसे भरोसेमंद स्कूटर मानते थे, लेकिन गियरलेस स्कूटर्स आने और प्रदूषण नियम सख्त होने के बाद इसका दौर खत्म हो गया।

Kinetic Honda DX ने भारतीय बाजार में गियरलेस स्कूटर को लोकप्रिय बनाने में बड़ी भूमिका निभाई। इलेक्ट्रिक स्टार्ट और आसान राइडिंग के कारण महिलाएं और बुजुर्ग इसे काफी पसंद करते थे। बाद में नए फीचर्स वाले स्कूटर्स के आने से इसकी लोकप्रियता कम हो गई।

Royal Enfield Machismo और Shogun की आज भी अलग फैन फॉलोइंग

Royal Enfield Machismo 350 अपनी भारी आवाज और क्लासिक लुक के लिए जानी जाती थी। क्रोम डिजाइन और दमदार इंजन ने इसे अलग पहचान दी। बाद में कंपनी ने Classic 350 जैसे नए मॉडल्स लॉन्च किए और Machismo धीरे-धीरे बंद हो गई। दूसरी तरफ TVS Suzuki Shogun युवाओं के बीच स्पीड और रेसिंग फील के लिए मशहूर थी। इसका तेज टू-स्ट्रोक इंजन और आक्रामक आवाज बाइक लवर्स को खूब पसंद आती थी, लेकिन प्रदूषण नियम और TVS-Suzuki पार्टनरशिप खत्म होने के बाद यह बाइक भी बाजार से गायब हो गई।

Yamaha RX100: आवाज जिसने दीवाना बना दिया

Yamaha RX100 भारतीय बाइक इतिहास की सबसे चर्चित बाइकों में गिनी जाती है। हल्का वजन, तेज पिकअप और दमदार आवाज इसकी पहचान थी। 80 और 90 के दशक में युवाओं के बीच इसका जबरदस्त क्रेज था। यह बाइक करीब 100 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार तक पहुंच जाती थी, जो उस समय बड़ी बात मानी जाती थी।

लेकिन टू-स्ट्रोक इंजन के कारण यह नए प्रदूषण नियमों में फिट नहीं बैठ सकी और कंपनी को इसे बंद करना पड़ा। आज भी कई लोग उम्मीद करते हैं कि Yamaha इसे नए अवतार में वापस लाएगी।

हाल ही में कान फेस्टिवल में तारा सुतरिया का तीसरा लुक सामने आने आया है। इस बार उन्होंने बेहद ही खूबसूरत आइवरी गाउन कैरी किया हुआ है। उनका यह लुक इतना अट्रैक्टिव है कि हर जगह बस तारा ही सुर्खियों में बनी हुई हैं। एजेंसी।

राजकुमारी बनकर Cannes 2026 में पहुंची Alia Bhatt, रेड कारपेट पर ड्रीमी लुक ने जीता हर किसी का दिल।
हाल ही में आलिया भट्ट ने साड़ी की लुक में धोती पहनकर पवेलियन पहुंची। एजेंसी।

इटली दौरे पर पीएम मोदी ने जॉर्जिया मेलोनी को दी पारले की मेलोडी टॉफ़ी

रोम (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने विदेश दौरे के अंतिम चरण में बुधवार को इटली पहुंचे हैं, जहां उन्होंने इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान पीएम मोदी ने मेलोनी को एक खास 'मेलोडी' नाम की टॉफी गिफ्ट की। जॉर्जिया मेलोनी ने इस गिफ्ट के लिए आभार जताते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर Thank you for the gift लिखकर अपनी प्रतिक्रिया साझा की। इसके बाद यह 'मेलोडी' टॉफी ऑनलाइन चर्चा का विषय बन गई और सोशल मीडिया पर लोग इस गिफ्ट को दोनों देशों के बीच अच्छे रिश्तों और व्यक्तिगत गर्मजोशी के संकेत के रूप में देखने लगे। इस यात्रा के दौरान भारत और इटली के बीच व्यापार, रक्षा सहयोग और रणनीतिक साझेदारी जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर बातचीत होने की संभावना है। दोनों देश अपने द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने पर जोर दे रहे हैं।

इजराइल का कड़ा प्रहार: समुद्र में गाजा जाने वाले सभी जहाजों पर किया कब्जा, नाकेबंदी तोड़ने निकले 428 एक्टिविस्ट लापता

यरूशलम/तेलअवीव (एजेंसी)।

इजराइल की सेना ने मंगलवार को उन सभी जहाजों को रोक दिया, जो एक अंतरराष्ट्रीय बेड़े (फ्लोटिला) के तहत गाजा की नाकेबंदी को चुनौती देने की कोशिश कर रहे थे। यह अभियान गाजा में रह रहे लगभग 20 लाख फलस्तीनियों की बदहाल स्थिति और भोजन, दवाइयों तथा आवास की भारी कमी की ओर दुनिया का ध्यान आकर्षित करने के लिए चलाया जा रहा था। 'ग्लोबल सुमुद फ्लोटिला' की वेबसाइट पर एक वीडियो में सशस्त्र इजराइली सैनिकों को जहाजों पर चढ़ते और कार्यकर्ताओं को हाथ ऊपर उठाते देखा गया। फ्लोटिला के आयोजकों का दावा है कि इजराइली बलों ने पांच नौकाओं पर कार्रवाई के दौरान रबड़ की गोलियां चलाईं और कुछ नौकाओं को नुकसान भी पहुंचा।

इसके बाद इटली के विदेश मंत्री एंतोनियो ताजानी ने इजराइल द्वारा बल प्रयोग की तत्काल समीक्षा करने का आह्वान किया। हालांकि इजराइल के विदेश मंत्रालय ने कहा कि कोई वास्तविक गोलीबारी नहीं हुई और केवल ''गैर-घातक उपाय'' चेतावनी के तौर पर अपनाए गए। इस फ्लोटिला की वेबसाइट के अनुसार, इजराइली सेना ने गाजा तटरेखा से लगभग 268 किलोमीटर दूर इस बेड़े को रोकना शुरू कर दिया था। ये नौकाएं पिछले सप्ताह तुर्किये से रवाना हुई थीं। इजराइल ने नौकाओं के इस बेड़े को 'केवल उकसावे के लिए की गई कार्रवाई'' बताया है, जिसका गाजा को सहायता पहुंचाने का कोई वास्तविक इरादा नहीं है। नौकाओं में प्रतीकात्मक मात्रा में सहायता सामग्री है। सोमवार को इजराइली नौसेना ने साइप्रस के पास अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में करीब 41 नौकाओं को रोककर उन पर सवार कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया था। फ्लोटिला के अनुसार 40 से अधिक देशों के 428 कार्यकर्ता अब तक ''लापता'' हैं क्योंकि उन्हें वकीलों या दूतावासों से संपर्क की अनुमति नहीं दी गई है। तुर्किये और हमास ने इस कार्रवाई को 'समुद्री डकैती'' बताया है। वहीं इटली, स्पेन और इंडोनेशिया ने इजराइल से कार्यकर्ताओं की रिहाई और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। इजराइल 2007 से गाजा तटरेखा की नाकेबंदी कर रहा है। इजराइल का कहना है कि यह कदम हमास को हथियार हासिल करने से रोकने के लिए जरूरी है, जबकि आलोचक इसे सामूहिक सजा बताते हैं।

डोनाल्ड ट्रम्प को बड़ा झटका: ईरान युद्ध रोकने के प्रस्ताव को अमेरिकी सीनेट की मंजूरी

वाशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिकी सीनेट ने मंगलवार को उस विधेयक को आगे बढ़ाने की मंजूरी दे दी जिसका उद्देश्य राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को ईरान युद्ध से पीछे हटने के लिए मजबूर करना है। बड़ी संख्या में रिपब्लिकन सांसदों ने राष्ट्रपति की इच्छा के खिलाफ जाकर इस विधेयक के पक्ष में मतदान किया। फरवरी के अंत में ट्रंप द्वारा ईरान पर हमला करने का आदेश दिए जाने के बाद से डेमोक्रेट सांसद बार-बार युद्ध अधिकार प्रस्तावों पर मतदान करवा रहे हैं। इन प्रस्तावों के तहत ट्रंप को या तो युद्ध के लिए कांग्रेस की सहमति लेनी होगी या फिर सैनिकों को वापस बुलाना होगा। अब तक रिपब्लिकन सांसद इन प्रस्तावों को खारिज करने के लिए पर्याप्त वोट जुटाने में सफल रहे थे, लेकिन लुइसियाना के सीनेटर बिल कैसिडी ने अपनी राय बदली और विधेयक को आगे बढ़ाने के लिए निर्णायक वोट दिया।

कैसिडी हाल ही में हुए प्राइमरी चुनाव में हार गए थे, जहां ट्रंप ने उनके प्रतिद्वंद्वी का समर्थन किया था। यह विधेयक 47 के मुकाबले 50 मतों से पारित हो गया। इस प्रक्रिया ने यह दिखाया कि रिपब्लिकन पार्टी के भीतर भी कुछ सांसद ईरान के साथ युद्ध रोकने के पक्ष में हैं। इस विधेयक पर अंतिम मंजूरी के लिए भी मतदान होगा हालांकि अभी यह तुरंत स्पष्ट नहीं हुआ कि उस पर मतदान कब होगा।

केंटुकी से रिपब्लिकन सीनेटर रैंड पॉल, मेन की सुसैन कॉलिन्स और अलास्का की लिसा मर्कोव्स्की पहले भी ऐसे युद्ध अधिकार प्रस्तावों के समर्थन में मतदान कर चुके थे और उन्होंने मंगलवार को भी ऐसा ही किया। कैसिडी ने पहली बार इस विधेयक के पक्ष में वोट दिया।

ट्रंप के लौटते ही पुतिन की चीन में लैंडिंग

जिनपिंग ने किया शानदार स्वागत, 40 बड़े समझते करेगी 'सुपर पार्टनरशिप'

बीजिंग (एजेंसी)।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन बुधवार को चीन की राजधानी बीजिंग पहुंचे, जहां चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने उनका भव्य स्वागत किया। यह मुलाकात ऐसे समय हुई है जब दुनिया यूक्रेन युद्ध, ईरान संकट और अमेरिका-चीन तनाव जैसे बड़े भू-राजनीतिक मुद्दों से जूझ रही है। बीजिंग के ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल में दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय वार्ता की। रेड कार्पेट स्वागत और सैन्य बैंड के साथ हुए इस समारोह को चीन और रूस की बढ़ती नजदीकियों का बड़ा संकेत माना जा रहा है। बैठक के दौरान पुतिन ने कहा कि बाहरी दबावों और पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद रूस और चीन के आर्थिक तथा रणनीतिक रिश्ते लगातार मजबूत हो रहे हैं।

वहीं जिनपिंग ने कहा कि दोनों देशों के बीच राजनीतिक विश्वास और रणनीतिक तालमेल पहले से ज्यादा गहरा हुआ है ईरान-इजराइल-अमेरिका तनाव पर भी चर्चा हुई। जिनपिंग ने कहा कि क्षेत्र में युद्ध बढ़ाना सही नहीं होगा और व्यापक युद्धविराम बेहद जरूरी है। उन्होंने बातचीत जारी रखने पर जोर दिया। क्रेमलिन के मुताबिक इस दौरे के दौरान रूस और चीन करीब 40 समझौतों पर हस्ताक्षर करेंगे। इनमें ऊर्जा, व्यापार, पर्यटन, शिक्षा और टेक्नोलॉजी से जुड़े कई अहम करार शामिल हैं। यूक्रेन युद्ध के बाद यूरोप में रूस की गैस बिक्री काफी घट चुकी है। ऐसे में चीन अब रूस के लिए सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा साझेदार बनकर उभरा है। इसी वजह से 'पावर ऑफ साइबेरिया-2' गैस पाइपलाइन परियोजना पर भी खास चर्चा हो रही है। इस पाइपलाइन के जरिए रूस हर साल बड़ी मात्रा में प्राकृतिक गैस चीन भेज सकेगा।

पुतिन ने चीन रवाना होने से पहले जारी वीडियो संदेश में कहा कि रूस और चीन के रिश्ते 'अभूतपूर्व स्तर' पर पहुंच चुके हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देश संप्रभुता और राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए साथ मिलकर काम करेंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि यह यात्रा अमेरिका को बड़ा कूटनीतिक संदेश है। हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की बीजिंग यात्रा के बाद अब पुतिन का चीन पहुंचना दिखाता है कि बीजिंग एक साथ वॉशिंगटन और मॉस्को दोनों के साथ अपने संबंधों को संतुलित रखते हुए अपनी वैश्विक ताकत बढ़ाना चाहता है। पुतिन और जिनपिंग अब तक 40 से ज्यादा बार मिल चुके हैं।

दोनों नेता ब्रिक्स और Shanghai Cooperation Organisation जैसे मंचों पर अक्सर साथ दिखाई देते हैं और खुद को 'मल्टीपोलर वर्ल्ड ऑर्डर' का समर्थक बताते हैं। यूक्रेन युद्ध के बाद चीन और रूस के बीच व्यापार तेजी से बढ़ा है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक दोनों देशों के बीच व्यापार 228 अरब डॉलर से अधिक पहुंच चुका है। चीन रूस से तेल और गैस खरीद रहा है, जबकि रूस को चीन से इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीनरी और वाहन मिल रहे हैं। वैश्विक विशेषज्ञों का कहना है कि बीजिंग में हुई यह मुलाकात आने वाले समय में विश्व राजनीति, ऊर्जा बाजार और अमेरिका-यूरोप की रणनीतियों पर बड़ा असर डाल सकती है।

ट्रंप के हाथ में है मोदी का 'रिमोट कंट्रोल' : राहुल गांधी

रायबरेली (एजेंसी)।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए दावा किया कि मोदी का 'रिमोट कंट्रोल' अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पास है। रायबरेली और अमेठी के अपने दो दिवसीय दौरे के पहले दिन गांधी ने प्रधानमंत्री पर तंज करते हुए कहा कि मोदी देश के किसानों, मजदूरों और छोटे व्यापारियों से इलेक्ट्रिक गाड़ियां खरीदने के लिए कहते हैं जबकि लोगों को नौकरी और खाना तक भी नहीं मिल पा रहा है।

रायबरेली से कांग्रेस सांसद गांधी ने कहा, 'मुझे नहीं पता कि प्रधानमंत्री क्या सपने देख रहे हैं और देशवासियों से इलेक्ट्रिक गाड़ियां खरीदने के लिए क्यों कह रहे हैं। लोगों को घर पर खाना बनाने के लिए रसोई गैस भी नहीं मिल पा रही है और प्रधानमंत्री कह रहे हैं कि विदेश मत जाओ, सोना मत खरीदो, इलेक्ट्रिक कारें खरीदो। मुझे बिल्कुल समझ नहीं आ रहा कि यह आदमी किस दुनिया में जी रहा है।'' रायबरेली ज़िले के हरचंदपुर विधानसभा क्षेत्र के खिरोन में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करने के दौरान राहुल ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा, 'खैर, उनका रिमोट कंट्रोल अमेरिका के हाथों में है।''

उन्होंने कहा, 'आपने डोनाल्ड ट्रंप का भाषण जरूर सुना होगा। वह कहते हैं कि मैं दो मिनट में उनका (मोदी का) राजनीतिक करियर खत्म कर सकता हूं। इस बीच, एपस्टीन फाइल्स बंद ही रहती हैं। नरेन्द्र मोदी 24 घंटे विदेश दौरे पर रहते हैं। वह कभी खुद को अमेरिका से बचाने की कोशिश करते हैं तो कभी नॉर्वे का दौरा करते हैं। वह हाथ जोड़कर कहते हैं,'कृपया मुझे माफ कर दो, एपस्टीन फाइल मत खोलो, अदाणी जी के खिलाफ एक मामला है, उसे बंद कर दो।''

बंधक बनाए गए लोगों की तलाश में सुरक्षा बलों का तलाश अभियान जारी

इम्फाल (एजेंसी)।

मणिपुर के कांगपोकपी जिले से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। सशस्त्र समूहों द्वारा बंधक बनाए गए लापता लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए सुरक्षा बलों ने जंगलों और अंदरूनी पहाड़ी इलाकों में एक बड़ा तलाशी अभियान शुरू किया है। पुलिस प्रशासन इस मिशन में कोई ढील नहीं बरत रहा है और घने जंगलों में छिपे सुरागों को ढूंढने के लिए विशेष खोजी कुत्तों की मदद भी ली जा रही है।

एक अधिकारी ने बताया कि इस अभियान के लिए खोजी कुत्तों को भी तैनात किया गया है। पुलिस ने एक बयान में कहा, कांगपोकपी जिले के लेइलोन वाइफेई, सोंगटुन, खुनखो और पी मोल्डिंग गांवों के आसपास के पहाड़ी इलाकों में लापता लोगों की तलाश में सुरक्षा बलों का तलाश अभियान जारी है।

कांगपोकपी और सेनापति जिलों में 13 मई को सशस्त्र समूहों ने 38 से अधिक लोगों का अपहरण कर लिया था। यह घटना कांगपोकपी में घात लगाकर किए गए एक हमले में चर्च के तीन पदाधिकारियों की गोली मारकर हत्या किए जाने के कुछ घंटों बाद हुई। अधिकारियों ने बताया कि बंधक बनाए गए लोगों में से 31 लोगों को पहले ही रिहा किया जा चुका है।

मंगलवार को लियांगमाई नागा समुदाय के एक नेता ने मुख्यमंत्री वाई खेमचंद सिंह से मुलाकात की और कहा कि हो सकता है कि ये लोग अब जिंदा नहीं हों उनके शव उनके परिजनों को सौंप दिए जाने चाहिए। दूसरी ओर राज्य में कुकी जनजातियों की सर्वोच्च संस्था, कुकी इनपी-मणिपुर ने दावा किया है कि समुदाय के 14 लोगों को नागा समूहों ने बंधक बना रखा है।

कंगना रनौत की लड़कियों को सलाह, कहा-

भाड़ में जाए दुनिया, किसी की मत सुनो और अपनी जिंदगी खुद चुनो

नई दिल्ली (एजेंसी)।

हाल ही में देश के दो अलग-अलग हिस्सों (ग्रेटर नोएडा और भोपाल) से आई महिलाओं की संदिग्ध मौत की खबरों ने लोगों को हिलाकर रख दिया है। इन दुखद घटनाओं पर बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत ने लड़कियों को बड़ी सलाह दी है। कंगना ने अपने बयान में कहा कि 'कई पढ़ी-लिखी लड़कियां किसी बड़ी अनहोनी से पहले अपने माता-पिता से उस घुटनभरे माहौल से बाहर निकालने की गुहार लगाती हैं। लेकिन हमारे भारतीय समाज की यह कड़वी सच्चाई है कि बेटियों की शादी के बाद उन्हें उनके हाल पर छोड़ दिया जाता है।'

अपनी जिंदगी खुद बनाने का दिया संदेश

कंगना ने लड़कियों को सलाह देते हुए कहा कि अपने फैसले खुद लें। किसी कि न सुने। आपका करियर और आपकी पहचान किसी भी पुरुष या शादी से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हैं। जब तक आप आर्थिक और मानसिक रूप से पूरी तरह आत्मनिर्भर न हो जाएं, तब तक शादी का फैसला न लें। आपको बचाने कोई बाहरी व्यक्ति नहीं आएगा। आप खुद क्या हैं और क्या करती हैं, यह इस बात से ज्यादा मायने रखता है कि आपकी शादी किससे हुई है। अपनी जिंदगी के फैसले खुद लें।

'ये महाराष्ट्र है यूपी-बिहार नहीं': हाई कोर्ट ने बुलडोजर कार्रवाई पर की सख्त टिप्पणी, कहा- यहां कानून से चलेगा शासन

मुम्बई (एजेंसी)।

महाराष्ट्र में बुलडोजर कार्रवाई को लेकर हाई कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। अदालत ने सुनवाई के दौरान टिप्पणी करते हुए कहा कि 'बुलडोजर कल्चर को महाराष्ट्र में घुसने मत दीजिए, यह उत्तर प्रदेश या बिहार नहीं है।' कोर्ट की इस टिप्पणी के बाद प्रशासनिक कार्रवाई और कानून व्यवस्था को लेकर बहस तेज हो गई है। अदालत ने स्पष्ट संकेत दिए कि किसी भी कार्रवाई में कानूनी प्रक्रिया और संवैधानिक मर्यादाओं का पालन जरूरी है।

दरअसल, मामला छत्रपति संभाजीनगर नगर निगम से जुड़ा था। बॉम्बे हाई कोर्ट की औरंगाबाद बेंच ने सोमवार को नगर निगम की आलोचना करते हुए कहा कि उसने ढ्ढ्रूड्ड पार्षद मतीन पटेल और हनीफ खान से जुड़ी संपत्तियों को मनमाने ढंग से, सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के दिशानिर्देशों का उल्लंघन करते हुए गिरा दिया। जस्टिस सिद्धेश्वर टी. की अध्यक्षता वाली डिवीजन बेंच ने मामले की सुनवाई करते हुए, 13 मई को किए तोड़फोड़ पर कड़ी मौखिक टिप्पणियां कीं। कोर्ट ने कहा कि इसमें अनिवार्य सुरक्षा उपायों का पालन नहीं किया गया।

बांग्लादेश में इंडियन हाई कमीशन के अधिकारी की मौत, संदिग्ध हालात में मिली बॉडी

ढाका/चटगांव (एजेंसी)।

बांग्लादेश के चटगांव स्थित भारतीय सहायक उच्चायोग में तैनात एक भारतीय अधिकारी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से हड़कंप मच गया है। मृतक की पहचान हरियाणा निवासी 35 वर्षीय नरेंद्र के रूप में हुई है, जो भारतीय मिशन में सिक्योरिटी प्रोटोकॉल ऑफिसर के पद पर कार्यरत थे। जानकारी के मुताबिक, मंगलवार सुबह नरेंद्र अपने कमरे से बाहर नहीं निकले और लगातार दरवाजा खटखटाने के बावजूद कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। इसके बाद दूतावास के अधिकारियों ने स्थानीय पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा खुलवाकर कमरे से नरेंद्र का शव बरामद किया। चटगांव मेट्रोपॉलिटन पुलिस के अधिकारियों के अनुसार शुरुआती जांच में मौत के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए चटगांव मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया है। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की असली वजह सामने आ सकेगी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले में अप्राकृतिक मौत का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। वहीं, भारतीय उच्चायोग के अधिकारी भी पूरे मामले पर नजर बनाए हुए हैं। इस घटना के बाद भारतीय मिशन और सुरक्षा एजेंसियों में चिंता का माहौल है। फिलहाल पुलिस हर पहलू को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

कोरबा जिले को मिली 22 नए डायल 112 वाहनों की सौगात

कोरबा (दिव्य आकाश)।

प्रदेश में छत्तीसगढ़ डायल-112 फेज-दो (नेक्स्ट जेन) के अंतर्गत अब सभी 33 जिलों में अत्याधुनिक आपातकालीन सेवा का विस्तार किया गया है। इस योजना के तहत प्रदेश को कुल 400 अत्याधुनिक इमरजेंसी रिस्पॉन्स व्हीकल प्रदान किए गए हैं। इन वाहनों को 18 मई को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया गया।

इसी कड़ी में कोरबा जिले को भी 22 नए डायल 112 वाहनों की सौगात प्राप्त हुई है। आज कोरबा में पुलिस अधीक्षक कार्यालय में उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने औपचारिक कार्यक्रम में इन वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ये आधुनिक वाहन उन्नत तकनीक से लैस हैं, जिनमें आधुनिक कैमरा, डैश कैमरा, जीपीएस सिस्टम तथा स्मार्ट मोबाइल उपकरण जैसी अत्याधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध हैं। इन सुविधाओं के माध्यम से नागरिकों को किसी भी आपात स्थिति में और अधिक त्वरित, सटीक एवं प्रभावी सहायता उपलब्ध कराई जा सकेगी।

डायल 112 सेवा के माध्यम से पुलिस, चिकित्सा, अग्निशमन, आपदा प्रबंधन, चाइल्ड हेल्पलाइन एवं महिला हेल्पलाइन सहित विभिन्न आपातकालीन सेवाओं को एकीकृत किया गया है, जिससे नागरिकों को एक ही प्लेटफॉर्म पर समन्वित आपातकालीन सहायता मिल सकेगी। यह व्यवस्था आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली को सुदृढ़ बनाते हुए जिला स्तर पर सुरक्षा एवं सेवाओं की उपलब्धता को बेहतर करेगी।

कार्यक्रम के दौरान कटघोरा विधायक प्रेमचंद पटेल तथा जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ पवन सिंह, महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत, कलेक्टर कुणाल दुदावत, पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी उपस्थित रहे।

डायल 112 के नए वाहनों के शुभारंभ से जिले में आपातकालीन सेवाओं की पहुंच और क्षमता में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है, जिससे नागरिकों को और अधिक सुरक्षित, त्वरित एवं विश्वसनीय सहायता मिल सकेगी।

आमजनों तक योजनाओं का लाभ पहुँचाना सरकार की प्राथमिकता

कोरबा (दिव्य आकाश)।

सुशासन तिहार 2026 अंतर्गत बुधवार को जनपद पंचायत करतला के ग्राम देवलापाठ में जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने उपस्थित होकर विभिन्न विभागीय योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ लिया। शिविर में विभागीय अधिकारियों द्वारा विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई तथा पात्र ग्रामीणों को योजनाओं का लाभ उठाने हेतु प्रोत्साहित किया गया। ग्रामीणों ने भी अपनी मांगों एवं समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। कृषि, खाद्य, पंचायत विभाग द्वारा हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ भी प्रदान किया गया।

जिला पंचायत सीईओ दिनेश नाग ने कहा कि जनसमस्या निवारण शिविर छत्तीसगढ़ सरकार की एक महत्वाकांक्षी एवं जनकल्याणकारी पहल है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की मंशा है कि आमजनों तक योजनाओं का लाभ सीधे उनके गाँव में ही उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष सम्पन्न हुए समाधान शिविर में प्राप्त आवेंदनो का गुणवत्तापूर्ण निराकरण किया गया है एवं गत वर्ष पीएम आवास, शौचालय, जॉब कार्ड जैसी मांगो से आमजनो को लाभान्वित किया गया है। इस वर्ष भी प्राप्त आवेंदनो का परीक्षण कर पात्र आवेदकों को पूरा लाभ दिया जाएगा। उन्होंने पीएम सूर्यघर योजना का लाभ लेकर बिजली उत्पादन में आत्मनिर्भर बनने की बात कही। सीईओ श्री नाग ने बताया की शिविरों में प्राप्त आवेदनों का जिला स्तर पर कलेक्टर व राज्य स्तर पर सीधे मुख्यमंत्री द्वारा नियमित समीक्षा किया जा रहा है। इस हेतु ग्रामीण अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर योजनाओं की जानकारी लेने एवं उनका लाभ उठाने का आग्रह किया।

करतला जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अशोका विश्राम कंवर ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार की विभिन्न योजनाएँ जनता तक आसानी से पहुँच सकें, इसी उद्देश्य से प्रत्येक क्षेत्र में शिविर लगाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार शिविरों में प्राप्त आवेदनों का शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक आवेदन पर समयबद्ध कार्रवाई कर लाभार्थियों को संतुष्ट किया जाए।

जनपद उपाध्यक्ष मनोज झा ने कहा कि सुशासन तिहार के अंतर्गत आयोजित शिविरों के माध्यम से आमजनों की समस्याओं का समाधान स्थानीय स्तर पर ही किया जा रहा है।

जनपद पंचायत करतला के सीईओ वैभव कौशिक ने बताया कि जनसमस्या निवारण शिविर में कुल 499 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 189 का शिविर स्थल पर ही निराकरण किया गया। शेष आवेदनों का परीक्षण उपरांत निराकरण किया जायेगा। सीसी रोड, पुल पुलिया जैसे अनेक अधोसंरचना निर्माण की मांग का परीक्षण कर कार्ययोजना में स्वीकृत कर निर्माण पूरा किया जाएगा।

इस दौरान शिविर में कई विभागों से हितग्राहियों को अतिथियों के द्वारा सामग्रियों एवं प्रमाणपत्रों का वितरण किया गया। शिविर में कृषि विभाग द्वारा फुलझर निवासी रामकुमार को विद्युत पंप प्रदान किया गया। साथ ही 19 हितग्राहियों को किसान किताब एवं 5 हितग्राहियों को केसीसी प्रदान किया गया। इसी प्रकार प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत देवलापाठ के शिवदयाल बिंझवार, राजकुमार साहू, श्रीमती हेमबाई धनवार, रूपनारायण साहू सहित कुल 04 हितग्राहियों को आवास की चाबियां सौंपी गईं। खाद्य विभाग द्वारा 12 लोगों को राशन कार्ड प्रदान की गई। महात्मा गांधी नरेगा से 4 लाभार्थियों को जॉब कार्ड भी दिए गए।

प्रयास आवासीय विद्यालयों की कक्षा 9वीं प्रवेश परीक्षा का मॉडल उत्तर जारी

परीक्षार्थी 30 मई तक स्वयं उपस्थित होकर दर्ज करा सकेंगे दावा-आपत्ति

कोरबा (दिव्य आकाश)।

शिक्षण सत्र 2026-27 में प्रयास आवासीय विद्यालयों के कक्षा 9वीं में प्रवेश के लिए छत्तीसगढ़ राज्य में दिनांक 10 मई 2026 को प्राक्चयन परीक्षा का आयोजन किया गया था। उक्त परीक्षा के सुचारू संचालन के पश्चात, प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता बनाए रखने हेतु विभाग द्वारा प्राक्चयन परीक्षा का मॉडल उत्तर 20 मई 2026 को विभागीय वेबसाइट पर विधिवत अपलोड कर दिया गया है। परीक्षा में सम्मिलित सभी परीक्षार्थी मॉडल उत्तर का अवलोकन विभागीय वेबसाइट www.eklavya.cg.nic.in पर जाकर कर सकते हैं।

सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास कोरबा से प्राप्त जानकारी के अनुसार, यदि किसी परीक्षार्थी को जारी किए गए मॉडल उत्तर के संबंध में कोई आपत्ति है, तो वे इस विषय में अपना दावा-आपत्ति आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। इसके लिए परीक्षार्थियों को कार्यालय कलेक्टर सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास कोरबा में स्वयं उपस्थित होकर अपना आवेदन भौतिक रूप से प्रस्तुत करना होगा। दावा-आपत्ति दर्ज कराने की अंतिम तिथि 30 मई 2026 निर्धारित की गई है। इस संबंध में स्पष्ट किया गया है कि डाक, कूरियर अथवा किसी अन्य माध्यम से भेजे गए आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। निर्धारित अंतिम तिथि की समाप्ति के पश्चात प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा तथा समय-सीमा के बाद प्राप्त आवेदन स्वत: अमान्य माने जाएंगे।

मोरगा, ढोंगदरहा में जनसमस्या निवारण शिविर 21 को

कोरबा (दिव्य आकाश)।

सुशासन तिहार 2026 अंतर्गत राज्य शासन के निर्देषानुसार कलेक्टर कुणाल दुदावत के मार्गदर्शन में आम जनता के समस्याओं के निराकरण करने, उन्हें शासकीय योजनाओं की जानकारी देने तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किये जाने के उद्देश्य से जिले के विभिन्न कलस्टर ग्रामों में जन समस्या निवारण शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

इसी कड़ी में 21 मई को प्रात: 10 बजे से विकासखंड पोंड़ीउपरोड़ा के ग्राम पंचायत मोरगा और कोरबा के ग्राम ढोंगदरहा में जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित होगा।

पाली ब्लॉक के ग्राम नागोई में जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित

123 आवेदनों का निराकरण

कोरबा/पाली (दिव्य आकाश)।

सुशासन तिहार के अंतर्गत पाली ब्लॉक के ग्राम पंचायत नगोई में जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में पाली-तानाखार क्षेत्र के विधायक तुलेश्वर हीरा सिंह मरकाम उपस्थित रहे। उनके साथ जिला पंचायत सदस्य कौशल नेटी तथा जनपद पंचायत सदस्य धर्मेन्द्र सिंह राज, सत्यनारायण पैकरा और उत्तम सिंह भी उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम पंचायत की सरपंच श्रीमती गणेश कुमारी ने की। शिविर में शामिल नगोई, सैला, नानपुलाली, केराझरिया, जेमरा, रतखण्डी, भंडारखोल, पुलालीकला, मुढाली और ढुकुपथरा ग्राम पंचायतों के सरपंच भी उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथियों ने अपने उद्बोधन में कहा कि शिविर में प्राप्त आवेदनों का निराकरण शासन की मंशा के अनुरूप एक सरकार की पहल है, जिसका उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति को योजनाओं से लाभान्वित करना है। ग्रामीण क्षेत्रों में शिविर लगाकर सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहते हैं और योजनाओं की जानकारी देने के साथ-साथ पात्र हितग्राहियों को तत्काल लाभ प्रदान करते हैं, जिससे समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित होता है।

शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा हितग्राहियों को लाभ प्रदान किए गए। जनपद पंचायत द्वारा 07 हितग्राहियों को राशन कार्ड वितरित किए गए, 04 हितग्राहियों को पेंशन स्वीकृति आदेश प्रदान किया गया तथा 02 हितग्राहियों को श्रवण यंत्र का वितरण किया गया। कृषि विभाग द्वारा शाकाम्भरी योजना के अंतर्गत ग्राम नगोई के ईतवार सिंह एवं चंदन सिंह तथा ग्राम नवापारा के बंधन सिंह एवं रितु सिंह को 3 एचपी पेट्रोल पंप वितरित किए गए। सहकारिता विभाग द्वारा 03 हितग्राहियों को किसान क्रेडिट कार्ड दिए गए। राजस्व विभाग द्वारा 01 हितग्राही को डिजिटल किसान किताब तथा 02 हितग्राहियों को वन अधिकार पत्र की पर्ची प्रदान की गई। महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से तीन बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार भी संपन्न कराया गया।

शिविर में कुल 577 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 123 आवेदनों का तत्काल निराकरण किया गया। इस शिविर क्लस्टर में नगोई, सैला, नानपुलाली, केराझरिया, जेमरा, रतखण्डी, भंडारखोल, पुलालीकला, मुढाली और ढुकुपथरा सहित कुल 11 ग्राम पंचायतें सम्मिलित थीं।

कोरबा जिले में 21 से घूमेगी नुक्कड़ नाटक सह एलईडी वैन जनगणना 2027 के प्रथम चरण का होगा व्यापक प्रचार-प्रसार

कोरबा (दिव्य आकाश)।

जिला कोरबा में जनगणना 2027 के प्रथम चरण मकानसूचीकरण एवं मकानों की गणना के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है. इसके तहत जिले में 21 मई 2026 से 24 मई 2026 तक (कुल 04 दिवस) ''नुक्कड़ नाटक सह एलईडी वैन'' का संचालन किया जाएगा.

जनगणना अधिकारी ओंकार यादव ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों को जनगणना के प्रति जागरूक करना है. यह वैन जिले के विभिन्न निर्धारित रूटों से होकर गुजरेगी और सार्वजनिक भीड़-भाड़ वाले स्थानों जैसे-हाट-बाजार, बड़ी ग्राम पंचायत सभाओं, मेलों, बड़े स्कूलों, प्रार्थना स्थलों तथा आयोजित सुशासन तिहार आदि स्थलों पर नुक्कड़ नाटकों और डिजिटल माध्यम से लोगों को जानकारी देगी।

प्रचार-प्रसार वाहन के सुचारू संचालन के लिए रूट और प्रभारी अधिकारियों की जिम्मेदारी भी तय कर दी गई है. अभियान के पहले दिन, 21 मई 2026 (गुरूवार) को यह वैन तहसील पोड़ीउपरोड़ा, तहसील कटघोरा एवं नगर पालिका परिषद कटघोरा क्षेत्र में रहेगी। इसके बाद 22 मई 2026 (शुक्रवार) को तहसील व नगर पंचायत पाली, तहसील हरदीबाजार, तहसील व नगर पालिका परिषद दीपका, तथा तहसील, जोन व नगर पंचायत दर्री और छुरीकला में इसका संचालन किया जाएगा। तीसरे दिन, 23 मई 2026 (शनिवार) को नगर पालिक निगम कोरबा के अंतर्गत आने वाले समस्त प्रमुख चौक-चौराहों एवं आवासीय परिसरों (सभी जोन हेतु) में कार्यक्रम आयोजित होंगे। अभियान के अंतिम दिन, 24 मई 2026 (रविवार) को वैन तहसील भैसमा, करतला एवं बरपाली क्षेत्र का भ्रमण करेगी।

बालको के 'क्वालिटी संकल्प' के एक साल पूरे, गुणवत्ता उत्पादन हुआ उत्कृष्ट

बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

वेदांता एल्यूमिनियम मेटल लिमिटेड की कंपनी भारत एल्युमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने 'क्वालिटी संकल्प' के 12 महीने पूरे कर लिए हैं। यह बालको के सभी उत्पादों में 'जीरो डिफेक्ट' गुणवत्ता सुनिश्चित करने और कार्यस्थल पर गुणवत्ता-केंद्रित सोच विकसित करने के उद्देश्य से शुरू की गई थी।

बालको में उत्पादन के हर चरण में गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है। 'क्वालिटी संकल्प' के अंतर्गत पिछले एक वर्ष में व्यक्तिगत जिम्मेदारी, त्रुटि रोकथाम, मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का पालन, दोषों की रोकथाम, मूल कारणों की पहचान, लीन प्रबंधन और डेटा आधारित निर्णय जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेष ध्यान दिया गया। इस पहल में 3000 से अधिक कर्मचारी और व्यावसायिक साझेदार शामिल हुए।

यह मासिक अभियान कर्मचारियों में गुणवत्ता के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करने, जागरूकता बढ़ाने और संगठन की गुणवत्ता प्रक्रियाओं को और मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण रहा है। इससे बालको को उच्च गुणवत्ता वाले एल्यूमिनियम उत्पादक के रूप में अपनी पहचान और सशक्त करने में मदद मिली है।

बालको लगातार प्रचालन दक्षता और उत्पादन उत्कृष्टता की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इस यात्रा में 'क्वालिटी संकल्प' गुणवत्ता संस्कृति को मजबूत करने, बेहतर उत्पादन क्षमता विकसित करने और ग्राहकों की अपेक्षाओं के अनुरूप उत्कृष्ट उत्पाद उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

इसके अलावा बालको सालभर गुणवत्ता आधारित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करता है। इनमें 'क्वालिटी नॉलेज बाइट्स' के माध्यम से गुणवत्ता सिद्धांतों की जानकारी साझा करना, वर्ल्ड क्वालिटी वीक के दौरान विविध कार्यक्रम आयोजित करना तथा स्टैंडर्ड कार्निवल में भागीदारी शामिल है। डिजिटल तकनीक को बढ़ावा देते हुए बालको ने 'क्वालिटी संकल्प ऐप' भी शुरू किया है, जिसके माध्यम से कर्मचारी उत्पादन स्थल पर गुणवत्ता मानकों की रियल-टाइम मॉनिटरिंग कर सकते हैं और सुधारात्मक कार्यों को रिकॉर्ड कर सकते हैं। इससे उत्पाद गुणवत्ता और ग्राहक विश्वास को और मजबूती मिली है।

प्रचालन दक्षता बढ़ाने के लिए बालको ने अपनी प्रयोगशाला और उत्पादन प्रक्रियाओं में डिजिटल तकनीक को अपनाया है। कोल लैब के 100 प्रतिशत डिजिटलीकरण से डेटा रिकॉर्डिंग, रिपोर्टिंग और निगरानी की प्रक्रिया तेज और आसान हुई है, जिससे कार्यकुशलता के साथ पर्यावरणीय प्रदर्शन में भी सुधार आया है। गुणवत्ता और उत्कृष्टता के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को एएसआई, बीआईएस आईएसओ, आईएटीएफ और एनएबीएल जैसे कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रमाणपत्रों से मान्यता मिली है, जो बालको के उच्च गुणवत्ता मानकों और सतत विकास के प्रयासों को दर्शाते हैं।

गुणवत्ता हमारी कार्य संस्कृति का मूल आधार है-राजेश कुमार सिंह

बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजेश कुमार सिंह ने कहा कि बालको में गुणवत्ता हमारे कार्य संस्कृति का मूल आधार है। 'क्वालिटी संकल्प' हमारे सामूहिक प्रयासों का प्रतीक है, जो रोजमर्रा के कार्यों और निर्णयों में गुणवत्ता को प्राथमिकता देने की सोच को मजबूत करता है। विश्वस्तरीय विनिर्माण की दिशा में आगे बढ़ते हुए ग्राहकों का विश्वास बनाए रखना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

जिला प्रशासन और बालको के सहयोग से सड़क एवं पुल के निर्माण को मिलेगी नई गति

बालकोनगर (दिव्य आकाश)। कोरबा जिले में सड़क विकास को नई गति देते हुए जिला प्रशासन ने बजरंग चौक से रिसदा पुल (परसाभाठा मार्ग) के उन्नयन कार्य को आगे बढ़ाया है। इसमें भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) सहयोगी भागीदार के रूप में जुड़ा है। यह मार्ग बालको क्षेत्र से जुड़े ग्रामीण बस्तियों, जिनमें परसाभाठा, नेहरू नगर, भद्रापारा सहित आसपास के अन्य समुदाय शामिल हैं, के लिए एक महत्वपूर्ण संपर्क की कड़ी है। यह सड़क जामबहार समुदाय को रूमगरा समुदाय से जोड़ते हुए बालको-कोरबा और बालको-कटघोरा के बीच एकमात्र संपर्क मार्ग के रूप में कार्य करती है तथा आगे भारत सरकार की भारतमाला परियोजना से भी जुड़ाव प्रदान करेगी।

परियोजना के अंतर्गत फोर-लेन सीमेंट कंक्रीट (सीसी) सड़क, जिसके मध्य डिवाइडर, आधुनिक स्ट्रीट लाइटिंग, सुव्यवस्थित ड्रेनेज सिस्टम सहित अन्य आवश्यक नागरिक सुविधाओं का विकास किया जाएगा। यह परियोजना क्षेत्र में सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित आवागमन सुनिश्चित करने के साथ-साथ स्थानीय नागरिकों के जीवनस्तर को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। अभी तक यह सड़क टू-लेन का कोलतार से बना है। इसके साथ-साथ आम जनता के सुलभ आवागमन के लिए बेलगिरी एवं रिसदा पुल का मरम्मत कार्य भी बालको के सहयोग से जिला प्रशासन द्वारा किया जाएगा। इस निर्माण कार्य से ट्रैफिक समस्या में सुधार और दुर्घटना में कमी आएगी।

परियोजना का क्रियान्वयन जिला प्रशासन द्वारा किया जाएगा, जिससे गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित होगा। बालको निरंतर जिला प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर स्थानीय समुदाय के जीवनस्तर में सुधार और क्षेत्र के सतत विकास हेतु सहयोग करता रहा है। पिछले वर्षों में भी प्रशासन के मार्गदर्शन और सहयोग से लालघाट सड़क, बजरंग चौक से रेलवे क्रॉसिंग तथा बालको पुलिस थाना से सेक्टर-4 के वन विभाग के बैरियर तक सड़क नवीनीकरण जैसे कई कार्य किए गए हैं। इसके अतिरिक्त यातायात सुविधा को बेहतर बनाने के लिए विभिन्न पार्किंग जिसमें एल्यूमिना गेट पर दोपहिया पार्किंग, कोयला ट्रकों के लिए कोल गेट एवं फ्लाई ऐश पॉन्ड

क्षेत्र में पार्किंग तथा भारी वाहनों के लिए अतिरिक्त पार्किंग सुविधाओं का निर्माण भी किया गया है।

जिला प्रशासन और बालको की यह साझेदारी स्थानीय समुदाय के साथ विश्वास, सहयोग और साझा विकास की भावना को सुदृढ़ करेगी। यह परियोजना क्षेत्र के समग्र विकास के लिए एक सकारात्मक उदाहरण प्रस्तुत करती है।

बालको स्थानीय समुदाय के जीवन स्तर को बेहतर बनाने हेतु नागरिक सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण में निरंतर अग्रसर है। नेहरू पार्क, बालको स्टेडियम, आधुनिक बालको अस्पताल, विद्यालय, चौड़ी सड़कें, फुटपाथ, फॉरेस्ट वॉक वे का निर्माण, जुबली पार्क के सौंदर्यीकरण और नए इंडियन कॉफी हाउस जैसी सुविधाएँ बालकोनगर को समृद्ध बना रही हैं, जिससे सामाजिक-सांस्कृतिक गतिविधियों को नई ऊर्जा और नागरिकों को बेहतर जीवन अनुभव मिल रहा है।

द इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ लायंस क्लब्स इंटरनेशनल डायरेक्टर एंडोर्सी के प्रतिष्ठापूर्ण चुनाव में एमजेएफ लायन डॉ. राजकुमार अग्रवाल विजयी

डिस्ट्रिक्ट 3233सी का दो दिवसीय अधिवेशन सम्पन्न

कोरबा (दिव्य आकाश)।

द इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ लायंस क्लब्स 3233सी का दो दिवसीय अधिवेशन भव्यता के साथ आज सम्पन्न हो गया। 500 से अधिक लायन दिग्गजों एवं सदस्यों की उपस्थिति में डिस्ट्रिक्ट के पीडिजी, उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले क्लबों, लायन पदाधिकारियों का सम्मान समारोह, इंटरनेशनल डायरेक्टर एंडोर्सी एवं वाईस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर-द्वितीय के प्रतिष्ठापूर्ण चुनाव के साथ सम्पन्न हो गया।

इंटरनेशनल डायरेक्टर एंडोर्सी के चुनाव में पीएमजेएफ लायन डॉ. राजकुमार अग्रवाल विजयी

अधिवेशन के दूसरे दिन इंटरनेशनल डायरेक्टर एंडोर्सी के चुनाव का परिणाम पहले घोषित किया गया, जिसमें पीएमजेएफ लायन डॉ. राजकुमार अग्रवाल 23 मतों से एतिहासिक जीत दर्ज की। आगामी इंदौर में होने वाली मल्टीपल कांफ्रेंस में लायन डॉ. अग्रवाल अपना पक्ष रखेंगे और वहां इंटरनेशनल डायरेक्टर घोषित होंगे। उक्त मल्टीपल कांफ्रेंस में 05 डिस्ट्रिक्ट से चुनकर आए इंटरनेशनल डायरेक्टर एंडोर्सी भी भाग लेंगे, लेकिन लायन अग्रवाल के इंटरनेशनल डायरेक्टर चुने जाने की संभावना प्रबल है। लायन डॉ. अग्रवाल ने पीडिजी लायन बसंत मिश्रा को हरा कर विजयश्री हासिल की।

डिस्ट्रिक्ट 3233सी को नई ऊंचाईयां देने होगा टीमभावना के साथ प्रयास-लायन अग्रवाल

लायन अग्रवाल का भव्य स्वागत

इंटरनेशनल डायरेक्टर एंडोर्सी के प्रतिष्ठापूर्ण चुनाव में विजयश्री हासिल करने के बाद पीएमजेएफ लायन डॉ. राजकुमार अग्रवाल का भव्य स्वागत किया गया। लायंस क्लब कोरबा गुरूकुल, नितेश कुमार मेमोरियल लायंस पब्लिक स्कूल खरहरकुड़ा के स्टॉफ सहित शुभचिंतकों ने बधाई दी।

सभी का जताया आभार

इस प्रतिष्ठापूर्ण चुनाव में प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से सहयोग और समर्थन देने वाले लायन सदस्यों का लायन राजकुमार अग्रवाल ने आभार जताया और मंच से कहा कि डिस्ट्रिक्ट को नई ऊंचाईयों तक ले जाने टीम भावना के साथ कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इंदौर में मल्टीपल की बैठक में डिस्ट्रिक्ट 3233सी का दमदारी के साथ पक्ष रखा जाएगा, ताकि इंटरनेशनल डायरेक्टर संचालक मंडल में डिस्ट्रिक्ट 3233सी का प्रतिनिधित्व बढ़ सके। अधिवेशन के दूसरे दिन इंटरनेशनल डायरेक्टर एंडोर्सी के चुनाव के साथ डिस्ट्रिक्ट गवर्नर, वाईस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर प्रथम एवं द्वितीय का भी चुनाव हुआ, जिसमें सत्र 2026-27 के लिए डिस्ट्रिक्ट गवर्नर होंगे पीएमजेएफ लायन रिपुदमन पुसरी, वाईस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर प्रथम पीएमजेएफ लायन पवन मलिक एवं द्वितीय लायन अनिल अग्रवाल। सभी निर्वाचित प्रतिनिधियों को बधाई दी गई।

डि.3233सी से पहली बार इंटरनेशनल डायरेक्टर एंडोर्सी चुने गए लायन अग्रवाल

लायन डॉ. राजकुमार अग्रवाल ने डिस्ट्रिक्ट 3233सी में एक इतिहास बना दिया। डिस्ट्रिक्ट में किसी लायन सदस्य को पहली बार इंटरनेशनल डायरेक्टर एंडोर्सी बनने का अवसर प्राप्त हुआ है।

पीएमजेएफ लायन रिपुदमन पुसरी डिस्ट्रिक्ट गवर्नर, पीएमजेएफ लायन पवन मलिक वाईस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर प्रथम एवं अनिल अग्रवाल वाईस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर द्वितीय चुने गए

द इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ लायंस क्लब्स डिस्ट्रिक्ट 3233सी का दो दिवसीय अधिवेशन भव्यता के साथ सम्पन्न हो गया। अधिवेशन के दूसरे और अंतिम दिन डिस्ट्रिक्ट गवर्नर, वाईस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर प्रथम एवं द्वितीय का चुनाव भी सम्पन्न हुआ। डिस्ट्रिक्ट गवर्नर के रूप में पीएमजेएफ लायन रिपुदमन पुसरी, वाईस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर प्रथम के रूप में लायन पवन मलिक एवं द्वितीय के रूप में लायन अनिल अग्रवाल निर्वाचित हुए। वाईस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर द्वितीय के लिए लायन अनिल अग्रवाल एवं लायंस क्लब बिलासपुर सेवा से एमजेएफ लायन आशीष अग्रवाल के बीच कड़ा मुकाबला था और लायन अनिल अग्रवाल को 62 मतों से विजयश्री हासिल हुई।

सत्र 2026-27 के लिए डिस्ट्रिक्ट गवर्नर होंगे पीएमजेएफ लायन रिपुदमन पुसरी

वाईस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर-2 चुनाव के साथ डिस्ट्रिक्ट गवर्नर एवं वाईस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर प्रथम के लिए भी निर्वाचन प्रक्रिया अपनाई गई और सत्र 2026-27 के लिए पीएमजेएफ लायन रिपुदमन पुसरी निर्वाचित हुए, वहीं डिस्ट्रिक्ट गवर्नर प्रथम के लिए पीएमजेएफ लायन पवन मलिक निर्वाचित हुए। इंटरनेशनल डायरेक्टर के रूप में पीएमजेएफ लायन डॉ. राजकुमार अग्रवाल ने 23 मतों से विजयश्री हासिल की। इंटरनेशनल डायरेक्टर के लिए पीएमजेएफ लायन डॉ. राजकुमार अग्रवाल और लायन बसंत मिश्रा के बीच मुकाबला था।

निर्वाचन प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद एवं परिणाम की घोषणा होते ही सभी विजेता लायंस का भव्य सम्मान किया गया।

हार-जीत सिक्के के दो पहलू : सहयोग करने वाले सभी लायन सदस्यों का आभार-लायन आशीष अग्रवाल

वाईस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर द्वितीय के रूप में भाग्य आजमाने वाले लायंस क्लब्स बिलासपुर से एवं जीएलटी कोआर्डिनेटर एमजेएफ लायन आशीष अग्रवाल थोड़े निराश लगे, लेकिन चेहरे पर मुस्कान लाते हुए मंच से सभी लायन सदस्यों का आभार जताया और कहा कि हार-जीत सिक्के के दो पहलू हैं। लायन सदस्यों ने दोनों प्रत्याशियों को आशीर्वाद दिया, लेकिन मेरे प्रतिद्वंदी लायन अनिल अग्रवाल को जीत हासिल हुई। चुनाव में जीत किसी एक की ही होती है। उन्होंने बड़े प्रेरणास्पद बातें कहीं-चुनाव तो एक ही दिन होता है, लेकिन हम साल के 365 दिन लायन होते हैं और हमें लायन होने में गर्व है। मैं हमेशा लायनवादी रहूंगा और किसी भी सदस्य या क्लब को जब भी मेरी जरूरत होगी, हमेशा उपलब्ध रहूंगा। उन्होंने एक बार फिर सभी का आभार जताया और कहा कि जितना आशीर्वाद मिला, उसके लिए प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष सहयोग और आशीर्वाद देने वाले सभी लायन सदस्यों का हृदय से आभार।

कार्यक्रम के अंत में कार्यक्रम के अध्यक्ष डिस्ट्रिक्ट गवर्नर पीएमजेएफ लायन विजय अग्रवाल ने शांति और सद्भाव के साथ चुनाव सम्पन्न होने एवं अधिवेशन की सफलता के लिए सभी का आभार जताया।

हम सब मिलकर डिस्ट्रिक्ट को आगे बढ़ाने के लिए प्रयास का संकल्प लें-लायन चौहान - मुख्य अतिथि पीआईडी लायन जितेन्द्र सिंह चौहान ने समापन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसी भव्यता मैंने बहुत कम देखी, इसके लिए डिस्ट्रिक्ट को बधाई और चुनाव सम्पन्न हुआ, जीतने और हारने वाले इस बात का संकल्प लें कि मिलजुलकर डिस्ट्रिक्ट को आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने जीते हुए प्रत्याशियों को बधाई दी और कहा कि हार में निराश न हों और निरंतर आगे बढ़ने के लिए अपनी कमियों को दूर करें, आगे सफलता अवश्य मिलेगी। हम सभी लायन सदस्य समाज की बेहतरी के लिए हमेशा प्रयास करते रहें और यह प्रयास कभी कम नहीं होना चाहिए।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक युधिष्ठिर कुमार राजवाड़े द्वारा मे. डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, नर्मदा कोल्ड्रिंक के पास बिलासपुर से मुद्रित कर प्रेस क्लब भवन के सामने रिकाण्डो रोड कोरबा से प्रकाशित संपादक युधिष्ठिर कुमार राजवाड़े मो.नं.-98266-47851 आरएनआई नंबर CHHHIN/2010/47078 Email :-divyaakash.news@gmail.com